पटना ● गुरुवार , 20 मार्च 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः71 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जिलाधिकारी ने की अंतर्विभागीय ... 3 www. bordernewsmirror.com पर्दे पर सुपर आइकॉनिक... 7

अमेरिकी अरबपति के बेंगलुरु स्थित एनजीओ पर ईडी की रेड

फेमा के उल्लंघन का आरोप, जॉर्ज सोरोस पीएम मोदी को अलोकतांत्रिक कह चुके

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी को अलोकतांत्रिक कहने वाले अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस से जुड़े एनजीओ पर रेड हुई है। बेंगलुरु स्थित जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन, ओपन सोरोस फाउंडेशन और एमनेस्टी इंटरनेशनल के दफ्तरों पर ईडी ने छापा मारा। एजेंसी ने एमनेस्टी और ह्यूमन राइट्स वॉच के पूर्व-वर्तमान कर्मचारियों के घरों की भी तलाशी ली।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ईडी की कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम के उल्लंघन को लेकर हुई। छापे को लेकर ह्रस्व की तरफ से फिलहाल आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने दिसंबर 2020 में ही भारत में अपनी एक्टिविटी बंद कर दी थी। संस्था के बैंक खाते अवैध विदेशी फंडिंग के आरोप के चलते फ्रीज भी किए गए थे। एमनेस्टी और ह्यूमन राइट्स वॉच पर ओपन सोरोस फाउंडेशन से फंडिंग मिलने का आरोप है।

काशी दौरे पर सीएम योगी सड़क पर घूमता दिखा सांड

2 बेलदार सस्पेंड, 14 आउटसोर्स कर्मचारियों की गई नौकरी

वाराणसी (एजेंसी)। होली से दो दिन पहले 12 मार्च को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बनारस दौरे पर आए थे। उनके निरीक्षण के दौरान कबीरचौर इलाके में सड़क पर सांड दिखने से हड़कंप मच गया। नगर निगम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 2 बेलदारों को सस्पेंड कर दिया और 14 आउटसोर्स कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। योगी के दौरे के दौरान नगर निगम प्रशासन को सख्त निर्देश दिए गए थे। उन्हें सुनिश्चित करना था कि सीएम के रूट पर कोई

भी आवारा पशु न दिखाई दे। लापरवाही बरतने पर नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने सख्त कदम उठाया है। अमृत लाल और संजय प्रजापति नामक दो बेलदारों को निलंबित कर दिया गया है। वे वाराणसी नगर निगम के पशु चिकित्सा एवं कल्याण विभाग में कार्यरत थे। इसी तरह 14 आउटसोर्स कर्मचारियों को भी नौकरी से हटा दिया है। इसके अलावा नगर निगम ने कर्मचारियों को नियुक्त करने वाली एजेंसी को कड़ी चेतावनी दी है। सभी 14 संविदा कर्मचारियों के नाम लिखे गए हैं।

भारत की 'कवर डिटरेंस' पॉलिसी से आतंकियों में खौफ

सईद तक भी पहुंचा मैसेज, पाकिस्तानी एक्सपर्ट का बड़ा दावा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े हाफिज सईद के करीबी अबू कताल की अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी है। अबू कताल की पहचान भारत विरोधी की थी और वह भारत में आतंक फैलाने में शामिल रहा था। कताल की हत्या उस कड़ी का हिस्सा है, जिसमें पाकिस्तान के अंदर लगातार भारत विरोधी लोग निशाना बने हैं। पाकिस्तान में हालिया समय में टारगेट किलिंग की घटनाएं देखने को मिली हैं। पाकिस्तान

में बड़ा तबका इसके पीछे भारत की एजेंसी रॉ का हाथ मानता है। पाकिस्तान के पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार कमर चीमा ने भी इसी तरह का दावा किया है। चीमा का कहना है कि भारत ने पाकिस्तान में एक खास ऑपरेशन चला रखा है और कताल की हत्या मोदी सरकार की ओर से हाफिज सईद के लिए स्पष्ट मैसेज है। कमर चीमा का दावा है कि भारत ने पाकिस्तान के लिए नई पॉलिसी बनाई है। ये पॉलिसी 'कवर डिटरेंस' की है। इस नीति के तहत दूसरे मुल्क में सीक्रेट तरीके से घुसा जाता है और अपने विरोधियों को टारगेट किया जाता है। उन्होंने कहा कि इसे ऐसे समझिए कि पब्लिक में कहा जाता है कि हमने पाकिस्तान में कुछ नहीं किया लेकिन सच्चाई अलग है।

पीएम मोदी ने सुनीता विलियम्स को लिखा पत्र

1.4 अरब भारतीय के लिए आप गर्व...

लेटर में प्रधानमंत्री ने की विलियम्स की सकुशल वापसी की कामना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को पत्र लिखकर भारत आने का न्योता दिया है। सुनीता विलियम्स अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर नौ महीने बिताने के बाद बुधवार को पृथ्वी पर लौटने वाली हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स के नाम एक भावपूर्ण पत्र लिखकर उनकी सुरक्षित वापसी की कामना की है। पीएम मोदी की ओर से एक मार्च को ये पत्र लिखा गया, जिसे नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो के माध्यम से सुनीता विलियम्स को भेजा गया है। इस पत्र को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर करीब नौ महीने तक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 'फंसे' रहने के बाद आखिरकार धरती पर लौट रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स के नाम एक भावपूर्ण पत्र लिखकर उनकी सुरक्षित वापसी की कामना की है। प्रधानमंत्री की ओर से 1 मार्च को

लिखा गया यह पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। इसमें पीएम मोदी ने लिखा है, पूरी दुनिया सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। पीएम मोदी ने भारत की इस गौरवशाली बेटी के लिए अपनी चिंता जाहिर की।

हम भारत में आपसे मिलने को उत्सुक हैं: पीएम

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में लिखा, भले ही आप हजारों मील दूर हैं, लेकिन आप हमारे दिलों के बेहद करीब हैं। भारत के लोग आपके अच्छे स्वास्थ्य और आपके मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। आपकी वापसी के बाद हम भारत में आपसे मिलने को उत्सुक हैं। भारत के लिए अपनी सबसे प्रतिभाशाली बेटियों में से एक की मेजबानी करना खुशी की बात होगी। पीएम मोदी ने 2016 में अमेरिका यात्रा के दौरान सुनीता विलियम्स और उनके दिवंगत पिता दीपक पंड्या से हुई मुलाकात को याद किया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में उनकी मुलाकात मैसिमिनो से हुई थी और बातचीत के दौरान विलियम्स का जिक्र हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी बातचीत के दौरान आपका नाम आया और हमने चर्चा की कि हमें आप पर और आपके काम पर कितना गर्व है। इस बातचीत के बाद, मैं खुद को आपको पत्र लिखने से नहीं रोक सका। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने अमेरिका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके पूर्ववर्ती जो बाइडेन से मुलाकात के दौरान सुनीता विलियम्स का कुशलक्षेम पूछा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 1.4 अरब भारतीयों को विलियम्स की उपलब्धियों पर हमेशा गर्व रहा है। उन्होंने कहा कि हाल के घटनाक्रमों ने एक बार फिर आपके प्रेरणादायी धैर्य और दृढ़ता को दर्शाया है।

डीसीपी पर कुल्हाड़ी से हमला नागपुर हिंसा में थी साजिश

● देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में बताया नागपुर हिंसा का सच

कहा-नागपुर में पुलिस पर सोच-समझकर किया गया था हमला

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में सोमवार को हुई हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि यह सब साजिश के तहत हुआ है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों पर योजना के तहत हमला किया गया है ताकि सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ जाए। डीसीपी तक पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के गुट ने योजनागत तरीके से पुलिसकर्मियों पर हमला किया। वे सामाजिक सौहार्द्र को बिगाड़ना चाहते थे। 3 डीसीपी समेत 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं पांच आग

भी घायल हैं जिनमें से एक आईसीयू में हैं। बिना किसी धार्मिक भेदभाव के जिन लोगों ने भी पुलिसकर्मियों को निशाना बनाय है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि नागपुर हिंसा के दौरान भीड़ ने कुछ चुनिंदा घरों और प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया ऐसे में पूरी आशंका साजिश की है। फडणवीस ने कहा कि छावा फिल्म की वजह से लोगों में औरंगजेब के प्रति नफरत है। इसी आक्रोश के चलते प्रदर्शन हो रहा था। तभी अफवाह फैलाई गई कि धार्मिक ग्रंथ को जलाया गया है जबकि ऐसा हुआ नहीं था। वहीं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि नागपुर हिंसा के पीछे साजिश है। किसी भी दंगाई को बख्शा नहीं जाएगा।

राजनाथ सिंह और तुलसी की मुलाकात से बौखलाया पन्नू

● खालिस्तानी आतंकी ने अमेरिका की धरती पर कदम रखने की दी चुनौती

वॉशिंगटन (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को गीदड़भभकी दी है।

पन्नू ने ये गीदड़ भभकी दिल्ली में राजनाथ सिंह और अमेरिका की नेशनल इंटेलीजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड के बीच हुई मुलाकात के बाद दी है। गुरपतवंत सिंह पन्नू, आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस यानि एसएफजे का नेता है। उसने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एक नई गीदड़भभकी दी है।

ये गीदड़भभकी तब आई है जब एक दिन पहले ही राजनाथ सिंह ने अमेरिकी खुफिया प्रमुख

तुलसी गबार्ड के साथ अपनी बैठक में एसएफजे को आतंकवादी समूह के रूप में प्रतिबंधित करने की मांग की थी।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने राजनाथ सिंह को अमेरिका की धरती पर आकर अंजाम भुगतने की गीदड़भभकी दी है। सिख फॉर जस्टिस ने भारतीय रक्षा मंत्री पर निशाना साधा है। उसकी बौखलाहट इसलिए है, क्योंकि एसएफजे को लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन उस पर प्रतिबंध लगा सकता है और संगठन को आतंकवादी समूह घोषित कर सकता है। उसके बाद उसके लिए अमेरिका की धरती से भारत के खिलाफ मुहिम चलाना मुश्किल हो जाएगा।

पीएम मोदी ने 1857 की क्रांति से की महाकुंभ की तुलना

प्रधानमंत्री बोले- सवाल उठाने वाले लोगों को जवाब मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के आयोजन की संसद में सराहना की और कहा कि इससे देश की एकता का संदेश मिला है। यही नहीं उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत के इतिहास में ऐसा ही क्षण था, जैसा 1857 की क्रांति, भगत सिंह का बलिदान और गांधी का डांडी मार्च था। इन घटनाओं ने देश को एक नया मोड़ दिया और ऐसा ही महाकुंभ के विशाल आयोजन से भी हुआ है। पीएम मोदी ने कहा, 'मैं यूपी और खासतौर पर प्रयाग की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। गंगाजी को धरती पर लाने के लिए भगीरथ प्रयास हुआ था। ऐसा ही

महाप्रयास महाकुंभ के भव्य आयोजन में भी हमने देखा है। मैंने लालकिले से सबका प्रयास पर जोर दिया था। पूरे विश्व ने भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है।' उन्होंने कहा कि महाकुंभ ने उन शंकाओं को भी जवाब दिया है, जो कुछ लोगों के मन में रहती है। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर हमने देखा था कि कैसे देश अगले एक हजार साल के लिए तैयार हो रहा है। फिर इस बात को हमने महाकुंभ में देखा। किसी भी राष्ट्र के जीवन में अनेक ऐसे मोड़ आते हैं, जो सदियों के लिए उदाहरण बन जाते हैं।

हर भाषा के लोग संगम पर बोले- हर हर गंगे और लगाई डुबकी

लोकसभा में पीएम ने कहा कि यह विश्वास होता है कि हम एक देश के रूप में बड़े लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। यहां पहुंचे लोग अहं त्याग कर वयं के भाव में आ गए। मैं नहीं हम के भाव में आए। अलग-अलग राज्यों से आए लोग त्रिवेणी का हिस्सा बने। जब करोड़ों लोग राष्ट्रीयता के भाव को मजबूती देते हैं तो देश की एकता बढ़ती है। जब हर भाषा के लोग संगम तट पर हर हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो एकता की भावना बढ़ती है। हमने देखा कि वहां छोटे-बड़े का कोई भेद नहीं था। यह भारत का बहुत बड़ा सामर्थ्य है। एकता की यही भावना भारतीयों का सौभाग्य है। आज पूरे विश्व में बिखराव की स्थिति है और ऐसे में हमारी एकजुटता बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि हमें कुंभ से प्रेरणा लेते हुए नदी उत्सव के कार्यक्रम को नया स्वरूप देना होगा। इससे नई पीढ़ी को जल और नदी का महत्व समझ आएगा। नदियों की साफ-सफाई के लिए लोगों को प्रेरणा मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने जिनकी मृत्यु हुई उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी

पीएम मोदी के दिए बयान पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ को भारत के इतिहास में अहम मोड़ करार दिया। पीएम ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि दुनिया ने देश के विराट स्वरूप को देखा और यह सबका प्रयास का साक्षात स्वरूप था। उनके इस बयान पर विपक्ष ने पलटवार किया। राहुल गांधी ने जहां पीएम के भगदड़ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि नहीं देने पर सवाल उठाए तो वहीं, प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष को भी बोलने का मौका दिया जाना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए भाषण पर कहा, मैं प्रधानमंत्री की बात का समर्थन करना चाहता था। कुंभ हमारी परंपरा है, संस्कृति है, इतिहास है। एक शिकायत थी कि प्रधानमंत्री ने जिनकी मृत्यु हुई उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी। जो युवा कुंभ में गए उन्हें प्रधानमंत्री से रोजगार चाहिए और प्रधानमंत्री को उस पर भी बोलना चाहिए था।

राबड़ी देवी और तेज प्रताप यादव का ईडी से सामना

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहते रेलवे में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी की नौकरी के बदले में जमीन लिखवाने के केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पटना में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और लालू-राबड़ी के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव से लगातार पूछताछ कर रही है। पटना में ईडी के दफ्तर में राबड़ी और उनके पूर्व मंत्री बेटे तेज प्रताप मंगलवार की सुबह पहुंचे थे और दोनों से एक ही छत के नीचे अलग-अलग कमरों में पूछताछ चल रही है। तेज प्रताप यादव से क्या पूछा गया है, ये अभी साफ नहीं हुआ है लेकिन राबड़ी देवी से अब तक ईडी के अफसरों ने चाय और पानी पूछने के अलावा सात सीधे सवाल किए हैं।

देश में गर्मी, बारिश और बर्फबारी तीनों एक साथ

● ओडिशा का बौध लगातार तीसरे दिन देश में सबसे गर्म ● हिमाचल में बारिश और बर्फबारी से बदल गया मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में तेज गर्मी का प्रकोप बना हुआ है। यहां लगातार तीसरे दिन बौध जिला देश में सबसे गर्म रहा। जिले का अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य का बरगढ़ जिला 42 डिग्री के साथ दूसरे और आंध्र प्रदेश का कुर्नूल 41.3 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ तीसरे नंबर पर रहा। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के नौ जिलों का तापमान 39 से 40 डिग्री के बीच रहा। मंगलवार को भी राज्य में गर्मी कम होने के आसार नहीं हैं। इसके चलते मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। हालांकि,

कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी का मौसम बना हुआ है। 1 मार्च से 17 मार्च तक प्रदेश में 75.6 मिमी बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग ने बताया कि आज राज्य में बारिश की संभावना नहीं है। बुधवार से बारिश का दौर फिर शुरू होगा। रविवार शाम से राज्य के कल्पा में 17.9 सेमी, सांगला में 8.6 सेमी और गोंडला में 1 सेमी बर्फबारी हुई। मंडी जिले के कुछ हिस्सों में कोहरे की वजह से विजिबिलिटी 800 मीटर तक कम हो गई। लाहौल-स्पीति का केलॉन्ग राज्य में सबसे ठंडा रहा। यहां का न्यूनतम तापमान -5.1 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, धौलाकुआं सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस रहा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस से हुई बारिश-ओलावृष्टि और उत्तर भारत से चली हवा से राजस्थान में एक बार फिर से सुबह-शाम की हल्की ठंड हो गई। मौसम विशेषज्ञों ने राज्य में अगले दो दिन इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

संक्षिप्त समाचार

किशनगंज बस टर्मिनल का ठेका 1.99 करोड़ में मिला

■ हबीबुर रहमान ने लगाई सबसे ऊंची बोली, 7 और स्थानों के ठेके भी हुए आवंटित

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के वीर कुंवर सिंह बस टर्मिनल की नीलामी में हबीबुर रहमान ने 1 करोड़ 99 लाख रुपए की सबसे ऊंची बोली लगाकर ठेका हासिल किया। नगर परिषद ने विभिन्न स्थानों के लिए नीलामी प्रक्रिया पूरी की। मोहम्मद मुस्तकीम को होर्डिंग और विज्ञापन का एक साल का ठेका 3 लाख 70 हजार रुपए में मिला। आलमगंज हाट का वार्षिक ठेका जमाल अहमद अंसारी ने 6 लाख 32 हजार रुपए में लिया।रहमत खान ने दो ठेके हासिल किए। माधव नगर सब्जी मंडी का ठेका 11 लाख 58 हजार रुपए में और माधव नगर मांस-मछली हाट का ठेका 3 लाख 50 हजार रुपए में उनके नाम हुआ। डी मार्केट सब्जी मंडी का वार्षिक ठेका मोहम्मद अशरफ रहमानी को 9 लाख 25 हजार रुपए में मिला। अब्दुल बारी ने भी दो ठेके हासिल किए। उन्होंने डे मार्केट मांस-मछली हाट का ठेका 5 लाख 51 हजार रुपए में और न्यायालय परिसर के सामने साइकिल-मोटरसाइकिल पार्किंग का ठेका 9 लाख 20 हजार 500 रुपए में लिया। नीलामी के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी प्रवीण कुमार और नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मई से शुरू होगी चौथे चरण की शिक्षक नियुक्ति

■ विधानसभा में शिक्षा मंत्री ने की घोषणा

पटना, एजेंसी। बिहार में चौथे चरण की शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया मई से शुरू होगी. बीपीएससी के माध्यम से शिक्षकों की बहाली होगी. तीसरे चरण में खाली रह गए पदों को भी चौथे चरण (टीआर ई-4) की नियुक्ति में शामिल किया जाएगा. शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने मंगलवार को विधानसभी में इसकी घोषणा की है. शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने विधानसभा में प्रश्न काल के दौरान विधायक अरुण कुमार के सवाल पर यह जानकारी दी. उन्होंने तीसरे चरण की नियुक्ति में बीपीएससी के सप्लीमेंट्री रिजल्ट को लेकर बताया कि तीसरे चरण की नियुक्ति के तहत सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी करने पर तत्काल कोई विचार नहीं है. विधायक अरुण कुमार ने पद खाली रह जाने को लेकर सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी करने की मांग की थी. टीआरई-3 में 60000 से अधिक शिक्षक पास हुए थे, लेकिन नई जगह पर नियुक्ति के कारण उनका स्थान रिक्त हो गया है. पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने गांधी मैदान में शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दी थी. शिक्षक संघ के तरफ से भी लगातार मांग हो रही थी कि तीसरे चरण में खाली पड़े पदों पर सप्लीमेंट्री रिजल्ट निकाला जाए. अभ्यर्थियों की तरफ से प्रदर्शन भी हो रहे हैं लेकिन शिक्षा मंत्री ने एक तरह से साफ कर दिया कि अब सप्लीमेंट्री रिजल्ट नहीं होगा. चौथे चरण में जो बहाली होगी, उसी में तीसरे चरण के खाली पदों को भी शामिल किया जाएगा. वहीं, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधान परिषद में शिक्षकों के बकाए वेतन भुगतान को लेकर कहा कि सात दिनों में शिक्षकों को वेतन दे दिया जाएगा. विधान परिषद में संजीव कुमार सिंह सहित कई सदस्यों ने सरकार का ध्यान आर्टिस्ट कराया था और उसके बाद ही इस पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सरकार की तरफ से आश्वासन दिया. बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले 12 लाख नौकरी देने का वादा नीतीश सरकार की तरफ से किया गया है. 9 लाख से अधिक नौकरी दे देने की बात कही जा रही है. इसमें सबसे अधिक 5 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की गई है और चौथे चरण में भी बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति करने की तैयारी है. इसमें दिव्यांग बच्चों के लिए भी शिक्षक की नियुक्ति होगी.

बिहार कांग्रेस में बड़ा बदलाव, अखिलेश सिंह की जगह विधायक राजेश कुमार बने नए प्रदेश अध्यक्ष

पटना, एजेंसी। जिसकी चर्चा पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही थी उसपर आखिरकार मुहर लग गया है. बिहार कांग्रेस अध्यक्ष के पद से अखिलेश सिंह को हटा दिया गया है. उनकी जगह विधायक राजेश कुमार को नया अध्यक्ष बनाया गया है. इस बाबत कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल की तरफ से पत्र भी जारी कर दिया गया है.

कौन हैं राजेश राम

राजेश कुमार उर्फ राजेश राम औरंगाबाद के कुटुंबा से विधायक हैं. उन्होंने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है. दलित समुदाय से होने के साथ-साथ इनकी एक बड़ी खासियत ये भी है कि ये गुटबाजी से दूर रहते हैं.

कहीं लालू ये ज्यादा नजदीकी तो नहीं पड़ी भारी!

अखिलेश सिंह को लेकर पिछले कुछ दिनों से काफी चर्चा हो रही थी. खासकर आरजेडी से उनकी निकटता को लेकर पार्टी में दो फाड़ दिखाई पड़ रहे थे. यही नहीं जब बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु पटना आए थे तो उन्होंने काफी सख्त संदेश भी दिया था.

कन्हैया से पहले दूरी फिर नजदीकी..!

यही नहीं जब कन्हैया कुमार और उल्लावरु प्रेस कांफ्रेस करने पहुंचे थे तो अखिलेश सिंह मौजूद नहीं थे. हालांकि पलान रोको नौकरी दो यात्रा जब शुरू हुई तो वह जरूर कन्हैया कुमार के साथ नजर आए थे.

राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के पीछे मंशा : ये तो हर कोई जानता है कि बिहार में जाति वाली राजनीति होती रही है. पिछले दोनों प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा और अखिलेश प्रसाद सिंह दोनों अपर कास्ट से आते हैं. जबकि राजेश राम दलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं. ऐसे में दलितों को ध्यान में रखकर कांग्रेस ने यह पासा फेंका है.

क्या कन्हैया से दूरी अखिलेश को पड़ा भारी ! : सवाल उठता है कि क्या कन्हैया कुमार से अखिलेश सिंह की दूरी उनपर भारी पड़ गई. क्या कांग्रेस का यह मानना है कि अखिलेश सिंह के मुकाबले कन्हैया कुमार भूमिहार में ज्यादा प्रभावी होंगे. वैसे कन्हैया कुमार दिल्ली से बैटिंग करते हैं. ऐसे में दिल्ली वालों ने शायद उनपर ज्यादा भरोसा जताया है.

एआईसीसी की आज हुई थी अहम बैठक : बता दें कि आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में एआईसीसी के सभी महासचिवों और प्रभारियों के साथ बैठक हुई. इस बैठक में नेता विपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहे. अहमदाबाद में होने वाले एआईसीसी सत्र के बारे में चर्चा की गई. 8 अप्रैल को अहमदाबाद में ही सीडब्ल्यूसी की बैठक होगी और 9 अप्रैल को एआईसीसी सत्र होगा.

रोहतास में ताबड़तोड़ छापेमारी, 18 गिरफ्तार, कैश-शराब की बोतलें और हथियार बरामद

रोहतास, एजेंसी। बिहार के सासाराम के तकिया मोहल्ले में जमीन विवाद को लेकर हुई गोलीबारी मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने घटना में शामिल 18 लोगों को गिरफ्तार किया है. दअरसल, पूरी रात चली छापामारी में तलाशी के दौरान अपराधियों के पास से दो पिस्टल, 24 जिंदा कारतूस, साढ़े सात लाख रुपए से अधिक नगद, 16 मोबाइल फोन और शराब की बोतल भी बरामद हुई है.

रोहतास में 18 लोग गिरफ्तार: दरअसल, सोमवार की शाम को रिहायशी इलाके में दो पक्षों में जमकर फायरिंग हुई थी. जिसके बाद दहशत फैल गया था. एसपी रौशन कुमार ने खुद छापेमारी कर इन सभी को गिरफ्तार किया. इस दौरान एसपी खुद हाथ में पिस्तौल लेकर दौड़ते नजर आए थे. एसपी ने बताया कि 15 लोगों को जहां तकिया से गिरफ्तार किया गया. वहीं तीन लोग एक स्कॉर्पियो गाड़ी से भगाने के फिराक में थे. जिसे रोहतास-कैमूर के बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया है. रोहतास एसपी रौशन कुमार ने प्रेस वार्ता कर यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि बनारसी प्रसाद सिंह एवं चंद्रशेखर कुमार सिंह के बीच जमीन के खरीद बिक्री का कोई पुराना मामला है. इसी मामले में पहले यह लोग एक होटल में एकत्र हुए तथा विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत की गई थी, लेकिन इसी दौरान विवाद बढ़ गया और गुस्से में आकर तकिया मोहल्ले में फायरिंग कर दी. एसपी ने बताया कि विधि व्यवस्था खराब करने की कोशिश की गई. जिसके उपरांत नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची तथा छानबीन करते हुए हथियार, कारतूस, नगदी, शराब आदि बरामद किया एवं इस उपद्रव में शामिल 18 लोगों को गिरफ्तार कर लिया.

मुजफ्फरपुर में सिलेंडर विस्फोट ! रेलवे ट्रैक के किनारे बस्ती में लगी आग, कई झोपड़ी जलकर राख

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार में लगातार आगजनी की घटनाएं हो रही हैं. चूल्हे की चिंगारी, शॉर्ट सर्किट और तेज हवा के कारण रोजाना 2-3 अग्निकांड की खबरें सामने आ रही हैं. ताजा मामला मुजफ्फरपुर में रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित झुग्गी बस्ती से सामने आया है. यहां पर एक भीषण अग्निकांड हुआ, जिसमें लगभग कई झोपड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गए. बताया जा रहा है कि खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आई चिंगारी से ब्लास्ट होने के कारण यह घटना हुई.

मुजफ्फरपुर में आग: इस अग्निकांड से इलाके में अफरा-तफरी मच गई. अगलगी की घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि दो सिलेंडर फटने से आग तेजी से फैल गई जिससे कई झोपड़ियां जलकर राख हो गईं. घटना के दौरान ट्रैक से कोई ट्रेन नहीं गुजरी और न ही किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना है. इस घटना के बाद झुग्गी बस्ती में रहने वाले लोगों में डर का माहौल है. प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है.

कैसे लगी आग?: स्थानीय लोगों ने बताया कि आग पहले रेलवे ट्रैक के पास झाड़ियों में लगी और फिर बस्ती तक पहुंच गई. कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि किसी ने बीड़ी पीकर झाड़ियों में फेंक दी थी जिससे आग लगी और तेज हवा के कारण यह तेजी से फैल गई. हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि सिलेंडर फटने से यह आग लगी.

फायर ब्रिगेड ने संभाला मोर्चा: घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. इस दौरान लाखों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है.

पटना में नमामि गंगे प्रोजेक्ट के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरा बच्चा, कंपनी पर 5.5 करोड़ का जुर्माना

पटना, एजेंसी। गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए केंद्र सरकार ने नमामि गंगे प्रोजेक्ट की शुरुआत की है. गंगा में शहर का पानी दूषित न जाए इसके लिए अंडरग्राउंड पाइप लाइन बिछाया जा रहा है. लेकिन नमामि गंगे प्रोजेक्ट के काम में लगे कंपनियों की लापरवाही से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है. पटना के राजीव नगर में इसी प्रोजेक्ट के तहत किए गए गड्ढे में ई-रिक्शा गिर जाने से एक बच्चा बुरी तरीके से घायल हो गया.

गड्ढे में गिरा बच्चा

राजीव नगर में पिछले कई महीने से नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत काम चल रहा है. पटना के राजीव नगर रोड नंबर 23 में नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत पाइप बिछाने का काम चल रहा है. पाइप बिछाने के लिए कई दिनों से गड्ढा करके छोड़ दिया गया था. मंगलवार को इसी गड्ढे में एक ई रिक्शा गिर गयी जिसमें शानू नाम का एक बच्चा बुरी तरीके से घायल हो गया. स्थानीय लोगों ने बच्चों को निकाल कर निजी अस्पताल में भर्ती कराया.

कंपनी पर 5.5 करोड़ का जुर्माना: नमामि गंगे प्रोजेक्ट के गड्ढे में ई रिक्शा गिर जाने की सूचना मिलने के बाद जांच के क्रम में पाया गया कि कंपनी की लापरवाही से लोगों की परेशानी बढ़ी है. बुडको के एचडी अनिमेष कुमार पाराशर ने काम में लापरवाही को देखते हुए कंपनी पर 5.5 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया. सही समय पर काम पूरा नहीं करने को लेकर अब बुडको को इस कंपनी को ब्लैकलिस्टेड करने की तैयारी कर रही है.

वीए टेक वाबाग लिमिटेड को मिला है काम

राजीव नगर के इलाके में एटीपी के कनेक्शन के लिए वीए टेक वाबाग लिमिटेड को पाइपलाइन विस्तार करने का काम मिला हुआ है. नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत एक महीने से राजीव नगर रोड नंबर 23 में करीब 20 फीट गड्ढा करके छोड़ दिया गया था, जिसमें पानी जमा होने के कारण स्थानीय लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. राजीव नगर के रहने वाले नवीन कुमार का कहना है कि लोगों की परेशानी को देखते हुए कई बार ठेकेदारों को बार-बार आग्रह किया गया था कि जल्द इस काम को खत्म करें.

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से आया मुख्यमंत्री नीतीश को न्योता बिहार का कैसे किया विकास इस पर देंगे ज्ञान

पटना , एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यूएस के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने न्योता आया है. आमंत्रण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अप्रैल महीने में ऑनलाइन संवाद करने का समय मांगा गया है. जदयू के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने इसकी पुष्टि की है.

हार्वर्ड से आया मुख्यमंत्री नीतीश को न्योता :

जदयू सांसद ने कहा कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में सीएम नीतीश कुमार से बिहार के विकास और उनके विजन पर चर्चा की जाएगी. संजय झा ने बताया कि इस चर्चा में अगले दस साल के लिए बिहार के विकास की दिशा और सीएम नीतीश का विजन प्रमुख मुद्दा होगा. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री यह भी बताएंगे कि किस तरह बिहार एक समय में बीमारू राज्य था और किस तरह से विकास किया गया. आज देश के सबसे तेज गति से विकास करने वालों में बिहार है. खासतौर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर, गवर्नेंस और आर्थिक विकास को लेकर चर्चा की जाएगी. यह पूरे बिहार के लिए गर्व की बात है.

मुख्यमंत्री को मिला आमंत्रण : मुख्यमंत्री सचिवालय ने भी इसकी पुष्टि की है. इस बाबत एक प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की गई है. इसमें कहा गया है कि हार्वर्ड केनेडी स्कूल में भारतीय छात्र समुदाय को संबोधित करने के लिये मुख्यमंत्री को आमंत्रण मिला है.

अगले दशक के लिये बिहार का विजन

हार्वर्ड केनेडी स्कूल के कानून एवं नीति छात्र समूह और भारतीय छात्र समुदाय की ओर से, विशेष रूप से बिहार के छात्रों द्वारा ऑनलाइन चर्चा में शामिल होने के लिये बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आमंत्रित किया गया है. अगले दशक के लिये बिहार का विजन शिक्षित, समृद्ध और सक्षम विषय पर यह ऑनलाइन चर्चा आयोजित की जायेगी.

आज बिहार इमर्जिंग ग्रोथ का हब

आमंत्रण पत्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कहा गया है कि आपके नेतृत्व में आज बिहार इमर्जिंग ग्रोथ का हब बन गया है. सुशासन, आर्थिक विकास, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में हुये बदलाव ने राज्य की तस्वीर बदल दी है. बिहार का यह बदलता स्वरूप नीति निर्माताओं और वैश्विक विद्वानों के लिये एक महत्वपूर्ण केस स्टडी है.

अप्रैल में ऑनलाइन चर्चा

आनेवाले दशक में बिहार की प्रगति को लेकर तैयार रोड मैप पर आपका विजन और मार्गदर्शन जानने के लिये हमलोग उत्सुक हैं. यह चर्चा छात्रों, संकाय और शोधकर्ताओं के लिए बिहार के विकास मॉडल, चुनौतियों और भविष्य की महत्वाकांक्षाओं को जानने-समझने के लिये उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगी. आमंत्रण पत्र में नीतीश कुमार से अप्रैल में ऑनलाइन चर्चा में शामिल होकर मार्गदर्शन देने हेतु समय की मांग की गयी है.

पटना-पूर्णिया का सफर 3 घंटे में, एक्सप्रेसवे बनाने के लिए 250 गांवों में जमीन का होगा अधिग्रहण

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके बाद भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू किया जा सकेगा. अधिसूचना के अनुसार पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे के लिए 6 जिलों के 29 प्रखंडों में 250 से अधिक गांवों में भूमि अधिग्रहित की जाएगी. 281.95 किमी लंबे एक्सप्रेसवे के निर्माण पर 18042.114 करोड़ की राशि खर्च होगी.

सीमांचल के विकास को गति मिलेगी: पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि इस महत्वपूर्ण परियोजना को धरातल पर उतारने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है, अधिसूचना जारी के बाद परियोजना का निर्माण कार्य जल्द शुरू हो सकेगा. उन्होंने कहा कि सरकार पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे के कार्य को ससमय पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है. पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे न केवल बिहार के सड़क नेटवर्क को मजबूत करेगा, बल्कि सीमांचल क्षेत्र के विकास को भी नई गति देगा.

281.95 किमी लंबा एक्सप्रेसवे: कुल 281.95 किमी लंबा यह एक्सप्रेसवे बिहार की सबसे महत्वाकांक्षी सड़क विकास परियोजनाओं में से एक है. यह एनएच-22 के मीरनगर (वैशाली) से प्रारंभ होकर समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा एवं मधेपुरा जिलों से गुजरते हुए एनएच-27 (ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर) के चंद भट्ठी (पूर्णिया) तक जाएगा. इसका निर्माण हरित क्षेत्र मार्गरेखन पर आधारित होगा, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बना रहेगा.

6 जिलों में होगा भूमि अधिग्रहण: पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे के लिए वैशाली के 6, समस्तीपुर के 8, दरभंगा के 2, सहरसा के 5, मधेपुरा के 2 एवं पूर्णिया के 6 प्रखंडों में भूमि अधिग्रहित की जाएगी. परियोजना के अंतर्गत 21 वृहद पुल, 140 लघु पुल, 11 रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी), 21 इंटरचेंज एवं 322 बीयूपी/एलबीयूपी का निर्माण किया जाएगा. 6-लेन चौड़े इस एक्सप्रेसवे की कुल अनुमानित लागत 18,042.14 करोड़ रुपये होगी.

3 घंटे में होगा पूर्णिया से पटना का सफर: वर्तमान में पटना से पूर्णिया पहुंचने के लिए दो मुख्य मार्ग हैं. मुजफ्फरपुर से एनएच-22 और एनएच-27 के जरिए जो लगभग 8:30 घंटे लेता है. वहीं दूसरा मार्ग एनएच-31 और एनएच-231 के जरिए कोरहा (कटिहार) से होकर जाता है, जो लगभग 7 घंटे का समय लेता है. नए एक्सप्रेसवे के पूर्ण होने के बाद पटना से पूर्णिया तक की यात्रा का समय केवल 3 घंटे रह जाएगा.

मुंबई से फॉरच्यूनर और थार की हुई थी चोरी, बिहार में बरामद

बक्सर, एजेंसी। महाराष्ट्र से चोरी हुई पांच लग्जरी गाड़ियों को बिहार के बक्सर बरामद किया गया है. महाराष्ट्र पुलिस ने बक्सर जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के मंझरिया गांव में छापेमारी कर इन वाहनों को जब्त किया. यह कार्रवाई बक्सर के औद्योगिक थाना पुलिस के संयुक्त सहयोग से की गई. इस मामले में पुलिस ने अभिषेक सिंह के घर के बाहर खड़ी संदिग्ध गाड़ियों को जब्त कर उन्हें गिरफ्तार किया. बक्सर पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने बताया कि महाराष्ट्र में थार जैसी लग्जरी गाड़ी की चोरी हुई थी. वाहन ट्रैकिंग के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि ये गाड़ी बक्सर जिले के मंझरिया गांव में छिपाकर रखी गई है. सुराग के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस ने बक्सर पुलिस से संपर्क किया. इसके बाद दोनों पुलिस टीमों ने संयुक्त रूप से छापेमारी की और अभिषेक सिंह के यहां से चोरी की गई थार के साथ साथ चार अन्य लक्जरी गाड़ियां भी बरामद कर हुई.

सारण का बड़ा शराब कारोबारी गिरफ्तार, पुलिस पर हमला करने के आरोप में 3 और धराए

सारण, एजेंसी। बिहार के सारण में पुलिस को बड़ा सफलता मिली है. सारण पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर कारवाई करते हुए एक बड़े शराब माफिया को गिरफ्तार किया है. इसका नेटवर्क पांच राज्यों में फैला हुआ था.

सारण से बड़ा शराब कारोबारी गिरफ्तार: एसपी शिखर चौधरी ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर तरैया थाना द्वारा एक 22 चक्का हाइवा और एक चक्किया गाड़ी पकड़ी गई है. इसमें लगभग 6 हजार 48 लीटर स्प्रिट बरामद किया गया है. इस मामले में तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था. इसमें एक अभियुक्त गुड्डू तिवारी बहुत बड़ा स्प्रिट कारोबारी रहा है. इसपर दर्जनों कांड दर्ज है. इसकी भी गिरफ्तारी हुई थी.

बड़ा शराब कारोबारी है शंभू पटेल

एसपी ने बताया कि शंभू पटेल की गिरफ्तारी बहुत बड़ी सफलता है. बड़े शराब कारोबारी की लिस्ट में जिले में यह टॉप 5 में शामिल है. गिरफ्तार अभियुक्तों में शंभू पटेल, पिता-बिगन प्रसाद, ग्राम गोपालबाड़ी, थाना-मशरक, जिला-सारण का रहने वाला है. वहीं रोहित कुमार, पिता-शंभू पटेल, ग्राम गोपालबाड़ी, थाना-मशरक, जिला-सारण, हरेन्द्र प्रसाद यादव उर्फ बंटी यादव, पिता-जगरनाथ प्रसाद यादव, ग्राम-गोपालबाड़ी, थाना-मशरक, जिला-सारण, शंकर प्रसाद, पिता स्व0 बिगन प्रसाद, ग्राम गोपालबाड़ी, थाना-मशरक, जिला-सारण का रहने वाला है.

शंभू पटेल का आपराधिक इतिहास

शराब माफिया शंभू पटेल का आपराधिक इतिहास रहा है. उसके खिलाफ मशरख थाने में कई मामले दर्ज हैं. कुख्यात शराब माफिया शंभू पटेल को गिरफ्तार करने में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, मढ़ौरा, अंचल पुलिस निरीक्षक, मशरक, थानाध्यक्ष, मशरक, तरैया, इसुआपुर, पानापुर थाना और थाना के अन्य कर्मी शामिल रहे है.

बिहार में शराबबंदी

बिहार में शराबबंदी 5 अप्रैल 2016 को लागू की गई थी, जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में शराब के सेवन, निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया. शराबबंदी के इस कदम का उद्देश्य शराब के नशे से जुड़ी सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को समाप्त करना था, जैसे कि घरेलू हिंसा, सड़क हादसे, और बेरोजगारी.

अभियुक्त को छुड़ाने का प्रयास

शंभू पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है. उक्त अभियुक्त के गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त के परिजनों एवं अन्य सहयोगियों द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त को छुड़वाने का प्रयास किया गया और जबरन धक्का मुक्की की गयी. इस संबंध में 06 नामजद और 10-15 अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध मशरक थाना कांड संख्या 112/25, दिनांक 17.03.25, धारा 191(2)/190/126(2)/115(2)/118(1)/132/352/351(2) (3) बि0एन0एस0 दर्ज कर 04 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया.

पटना पुलिस में बड़ा फेरबदल, 44 अफसरों का तबादला

पटना, एजेंसी। मंगलवार को पटना एसएसपी अवकाश कुमार ने जिले में 44 पुलिस पदाधिकारियों को ट्रांसफर कर दिया है. इसके साथ ही 25 थानेदारों को भी बदल दिया गया है. राजेश कुमार को गांधी मैदान और प्रभात कुमार को एसके पुरी थाने का थानाध्यक्ष बनाया गया है. पटना पुलिस में फेरबदल के तहत कंकड़बाग थानेदार नीरज ठाकुर को ट्रैफिक थाना बाईपास का थानाध्यक्ष बनाया है. राजीव नगर के थानेदार अमित कुमार को पटना पुलिस लाइन में पदस्थापित किया गया है. प्रभात कुमार को श्रीकृष्णापुरी का थानेदार बनाया गया है. मुकेश कुमार को कंकड़बाग की कमान सौंपी गई है.

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के मोतिहारी जिला उपाध्यक्ष बनी मिना मिश्रा

बीएनएम। मोतिहारी। बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल एवं संगठन महामंत्री भिखू भाई दालसानिया के सहमति से भारतीय जनता पार्टी के पूर्वी चंपारण जिला अध्यक्ष पवन राज उर्फ झुन्नु तिवारी के द्वारा मिना मिश्रा को संगठन जिला मोतिहारी का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके मनोनयन पर पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद राधामोहन सिंह, गन्ना मंत्री कृष्णनंदन पासवान, विधायक प्रमोद कुमार, सुनिल मणि तिवारी व भाजपा के अन्य कार्यकर्ताओं ने बधाईयां दी है।

पिकअप पर लदे 5 मवेशी सहित दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मानिकपुर से पुलिस ने पांच गाय लदी एक पिकअप को बरामद किया है। साथ ही दो तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि एक पिकअप पर मवेशी तस्कर मवेशी को लाद कर लिए जा रहे हैं। फिर 112 नंबर की पुलिस को वहां भेजा गया और वहां से एक पिकअप पर लदी हुई पांच गाय सहित पिकअप को पुलिस ने बरामद किया और दो तस्कर को भी गिरफ्तार कर थाना लाया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पांचो मवेशियों को मटियरिया स्थित काजी हाउस में भेज दिया गया है। पिकअप को जप्त कर लिया गया है और दोनों तस्करों से पूछताछ की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि एक तस्कर शेख इरफान पिता- शेख छेदी शंकर सरैया, बनकट, तुरकौलिया का निवासी है जबकि दूसरा तस्कर मोहम्मद अजीजल हक पिता रुस्तम अली माधोपुर मधुमालत थाना तुरकौलिया का निवासी है। ये दोनों तस्कर बावरिया टोला से पशु को लेकर तुरकौलिया जा रहे थे। इसी क्रम में मानिकपुर में ये पकड़ लिए गए। पूछताछ के बाद दोनों तस्कर को जेल भेजा जाएगा।

एटीएम में हेरा-फेरी और धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी । जिला के नगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एटीएम में हेरा-फेरी कर लोगो से धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है,जिसकी पहचान पश्चिम चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के जौकटिया निवासी सराजुल अंसारी के पुत्र अशफाक आलम के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके पास से विभिन्न बैंकों के 19 एटीएम कार्ड तथा 02 रामपुरी चाकू बरामद किया है।गिरफ्तार अशफाक ने पूछताछ के दौरान गिरोह में शामिल अन्य दो मझौलिया थाना क्षेत्र के जौकटिया निवासी श्याम किशोर पिता रवि किशोर व झुन्ना कुमार, पिता नागेन्द्र साह की भी संलिप्ता बताई है, जिसके विरूद्ध छापेमारी की जा रही है।

भारत के संविधान के लिए सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी । सोशल मीडिया पर भारतीय संविधान को अपशब्द बोलने वाले एक पोस्ट के विरुद्ध एसपी के निर्देश पर कारवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया गया। जिले में सोशल मीडिया एकांउट के मॉनिटरिंग के दौरान एसपी स्वर्ण प्रभात ने पाया कि शिवम कुमार नामक युवक के एकांउट से सोशल मीडिया पर भारत के संविधान पर अभद्र टिप्पणी की गयी है। उक्त पोस्ट पर एसपी स्वर्ण प्रभात ने संज्ञान लेने के बाद आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त कोटवा थाने के हेमन छपरा गांव का शिवम कुमार बताया गया है। 19 मार्च को वायरल हुए उक्त पोस्ट पर कोटवा पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया है कि पुलिस की लगातार नजर सोशल मीडिया अकाउंट्स पर है ऐसे में किसी तरह की अश्लील,भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट करने वालो पर कारवाई तय है।

कोटवा में महिला की हत्या का उद्भेदन,आरोपी गिरफ्तार

» हाथ के कड़ा से दोस्त की मां के सर पर किया वार फिर दबा दिया गर्दन

» दो दिन से लापता महिला का स्कूल के पीछे झाड़ी से मिला था शव

बीएनएम। मोतिहारी। भला बुरा कहने से नाराज युवक ने गुस्से में दोस्त के मां की हत्या कर डाली। वही मामले का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर उद्भेदन करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलस के मुताबिक कोटवा थाना क्षेत्र के ओझा टोला गांव में 17 मार्च की सुबह कोटवा पंचायत के टिकैता ओझा टोला स्कूल के पीछे झाड़ी में एक अधेड़ महिला का शव मिला था।पुलिस ने घटना का तहकीकात करने के बाद उक्त गांव के ही 17 वर्षीय किशोर सचीन कुमार को महिला की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी सदर टू जितेश पांडे ने बताया है कि गिरफ्तार सचिन व मृतका फुलेश्वरी देवी , पति रामदेव पटेल के बेटे बबलू कुमार की दोस्ती थी। होली के रोज उक्त दोनों लड़के नशे में बबलू के घर आए , जिससे नाराज बबलू की मां ने सचिन को भला बुरा कहने लगी और अपने बेटे को बिगाड़ देने का भी उस पर ताने मारने लगी। इस बात से गुस्साए सचिन ने महिला के सर पर वार कर दिया।हाथ में पहने कड़े से सर पर गंभीर चोट लगी जिससे वह बेहोश हो गई , फिर महिला का गर्दन दबा कर मौत के घाट उतार दिया। जिसके बाद शीघ्रता से शव को स्कूल के पीछे झाड़ी में रखकर केले के पता से छुपा दिया। पुलिस ने टेक्निकल सेल की मदद से अनुसंधान करते हुए इस घटना का उद्वेदन कर लिया है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष राजरूप राय , अपर थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह , एसआई हरेश शर्मा सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

जिलाधिकारी ने की अंतर्विभागीय जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में बुधवार को अंतर्विभागीय जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक की गई जिसमें सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर, अंचल अधिकारी, सभी कार्य विभागों के कार्यपालक अभियंता भौतिक रूप से उपस्थित थे जबकि प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे। उक्त बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता वाले सभी एजेंडा पर विभागीय पदाधिकारी विशेष रूप में फोकस करेंगे एवं पटना से प्राप्त सरकार के विभागीय पत्रों का क्रियान्वयन ससमय संपन्न कराएंगे। सरकार की ऐसी एजेंडा या ऐसे पत्र जिसका क्रियान्वयन दो या दो से अधिक विभागों के द्वारा होना है, उसमें अगर कोई परेशानी है तो आज की बैठक में पदाधिकारी स्पष्ट रूप से बता देंगे। अगर जरूरत पड़ेगी तो इसके लिए अलग से बैठक किया जाएगा। बैठक में नगर परिषद/ नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी को सभी सरकारी भावनाओं से होल्डिंग टैक्स कलेक्ट करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जो सरकारी कार्यालय है जहां होल्डिंग टैक्स बकाया है उनको नोटिस कर दिया जाए जिसके आलोक में अपने-अपने विभाग से इसके लिए आवंटन प्राप्त कर लेंगे एवं होल्डिंग टैक्स समय से जमा कराएंगे। डीएम ने कहा कि नगर क्षेत्र के होल्डिंग टैक्स के निजी रूप में जो बड़े बकायेदार हैं उनको चिन्हित करके उनके विरुद्ध संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी के यहां नीलम पत्रवाद दाखिल किया जाए।इस संबंध में सभी अनुमंडल पदाधिकारी को भी निर्देश दिया गया कि दायर नीलम पत्रवाद की समय से सुनवाई करके इसका निष्पादन करेंगे। बिजली विभाग के पदाधिकारी को भी सरकारी कार्यालयों पर बिजली बिल बकाया की वसूली करने का निर्देश दिया गया। डीएम ने कहा कि सरकारी कार्यालय पर जो बकाया है उसका पत्र विभागीय पदाधिकारी को भेजा जाए ताकि समय से भुगतान सुनिश्चित हो सके। डीएम ने कहा कि जहां-जहां का बिल लंबित है उसकी सूची विशेष कार्य पदाधिकारी (गोपनीय शाखा)को उपलब्ध करा दी जाए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में बताया गया कि गर्मी का मौसम शुरू होते ही जिले में एईस/चमकी बुखार बच्चों में प्रारंभ हो जाता है। जिसकी रोकथाम के लिए जागरूकता जरूरी है। इसको लेकर जिलाधिकारी के द्वारा बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारी को निर्देश दिया गया एवं कहा गया कि अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर पर भी पदाधिकारी अलग से बैठक कर लेंगे एवं विकास मित्र, जीविका तथा आंगनबाड़ी सेविका सहायिका का जागरूकता कार्यक्रम में सहयोग लेंगे। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिला के सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों का संपत्ति ब्यौरा संबंधित वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। लिपिक, स्टेनो, चालक एवं चतुर्थ वर्गीय कर्मियों की नियुक्ति से संबंधित रोस्टर बनाकर सामान्य प्रशासन विभाग बिहार पटना को भेज दिया गया है। सामान्य शाखा प्रभारी को जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि चरित्र प्रमाण पत्र जो आवेदन लंबित है उसका तुरंत निष्पादन कराएं। बैठक में बताया गया कि 12 लिपिक, 11 राजस्व कर्मचारी एवं तीन जनसेवक के विरुद्ध वर्तमान में विभागीय कार्रवाई चल रही है। इस पर जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि जिन पदाधिकारी के यहां यह कारवाइयां चल रही है, इसका निष्पादन एक माह के अंदर निश्चित रूप से कर दें। एचआरएमएस के नए मॉड्यूल के प्रशिक्षण के संबंध में पूछने पर आईटी प्रबंधक ने बताया कि इसका प्रारंभिक प्रशिक्षण सभी को दे दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी पदाधिकारी एवं कर्मी अपनी उपस्थिति बायोमेट्रिक माध्यम से बनाना सुनिश्चित करेंगे। होमगार्ड कमांडेंट के द्वारा बताया गया कि अगले माह जिले में होमगार्ड की बहाली होनी है जिसके लिए 474 रिक्ति है, जिसके लिए विज्ञापन निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि होमगार्ड की नियुक्ति से संबंधित फिजिकल टेस्ट मोतिहारी के गांधी मैदान एवं पुलिस लाइन में कराया जाएगा। बैठक में उपस्थित अंचल अधिकारियों को जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि भवन निर्माण से संबंधित जमीन के लिए जो भी मांग पत्र उनके यहां भेजा जा रहा है उससे संबंधित जमीन चिह्नित करते हुए इसका प्रस्ताव समय से भेजना सुनिश्चित करें। यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का अभिन्न रूप है जिसे हर हाल में समय से पूरा कराया जाना है। इस संबंध में सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक सप्ताह जमीन आवश्यकता की अंचल अधिकारियों के साथ समीक्षा करें एवं इस कार्य को एक माह के अंदर पूरा कराएं।अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन के द्वारा बताया गया कि अंचल अधिकारी के स्तर पर 52 अभिलेख लंबित है जिसमें मृतक के परिजन को सहायता राशि का भुगतान किया जाना है। इस पर जिलाधिकारी के द्वारा संबंधित अंचल अधिकारियों को शीघ्र अभिलेख आपदा प्रबंधन शाखा को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। ग्रामीण विकास के कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास के सर्वे में महादलित टोले नहीं छूटे इसका विशेष ध्यान रखा जाए तथा कहीं से भी गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। फसलों को क्षति पहुंचने वाले घोड़परास के संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि घोरपरास को मारने संबंधी शक्ति मुखिया को प्रदान की गई है। जो भी आवेदन है उसे मुखिया के यहां ट्रांसफर करते हुए उनसे अनुमति प्राप्त कर थाना से समन्वय बनाकर घोड़परास का खात्मा किया जा सकता है। आज की मैराथन बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा सभी विभागों की एजेंडा वार समीक्षा की गई और निर्देश दिया गया कि सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय बनाकर सरकार के प्राथमिकता वाले कार्यों को हर हाल में समय से पूर्ण कराएं ताकि जनहित में उसका लाभ मिल सके।

जन सुराज विस्तार के तहत जन संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के कोटवा प्रखंड स्थित टलवा में बुधवार को जन सुराज विस्तार के तहत जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन रमा यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जन सुराज विस्तार कार्यक्रम में जन सुराज पार्टी के युवा अध्यक्ष डॉ. विवेक रंजन, सोशल मीडिया प्रभारी विनय कुमार साहनी, पी.के यूथ क्लब कोऑर्डिनेटर दिनेश यादव, जन सुराज नेता ललन यादव, जन सुराज के वरिष्ठ नेता रामेश्वर यादव, युवा नेता आशु सिंह कुशवाहा, जन सुराज नेता उपेंद्र सहनी ने उपस्थित जन समूह से संवाद स्थापित कर व्यवस्था परिवर्तन का आह्वान किये। उक्त विस्तार कार्यक्रम को संबोधित करते जन सुराज प्रदेश कार्यसमिति सदस्य-सह-16- कल्याणपुर विधानसभा के संभावित उम्मीदवार डॉ. मंतोष कुमार साहनी ने कहा की इस बार विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता अपने बच्चों की शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, भ्रष्ट व्यवस्था में सुधार के लिये मतदान करेगी। जन सुराज के प्रणेता प्रशांतकिशोर के नेतृत्व में इस बार जनता की सरकार जन सुराज की स्थापना करेंगी। उक्त अवसर पर सैकड़ो की संख्या में ग्रामीणों की गरिमामयी उपस्थिति रही। वही बैठक में सैकड़ो लोगों ने जन सुराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर जनसुराजी बनें।

मुंशी सिंह विधि महाविद्यालय में नए आपराधिक कानून पर हुआ एक विशेष व्याख्यान का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के मुंशी सिंह विधि महाविद्यालय के तत्वावधान में बुधवार को तीन नये आपराधिक कानून : भारतीय न्याय संहिता -2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मनोज कुमार, सहायक प्राध्यापक, राजीव गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश ने तीनों नए आपराधिक कानूनों की कानूनी व्याख्या विधि महाविद्यालय के छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि नए विधेयक कानूनी ढांचे को आधुनिक बनाने और आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार करने की एक कोशिश के नजरिए से महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधि महाविद्यालय के प्रभारी डॉ. मयंक कपिला, सहायक प्राध्यापिका डॉ. कुमारी रंजू बाला एवं सहायक प्राध्यापक वीरमणि कुमार ने भी अपने विचार रखें। इस अवसर पर मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के व्याख्यान विधि क्षेत्र में हो रहे नए बदलाव को जानने और समझने में मददगार हैं। विधि क्षेत्र में हो रहे नए बदलाव की विधिगत समीक्षा से छात्रों में जागरूकता के साथ-साथ उनमें आलोचनात्मक और न्यायसंगत वैचारिक समझ पैदा होगी।

डॉ. एसकेएस महिला महाविद्यालय में नैक कार्य की हुई समीक्षात्मक बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में बुधवार को आईक्यूएसी के तत्वाधान में नैक कार्य की समीक्षात्मक बैठक की गई। उक्त मीटिंग की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) पंकज कुमार ने किया। नैक को लेकर जो विभिन्न कमिटियों का गठन किया गया है, उनकी कार्य प्रणाली पर चर्चा की गई। नैक कार्य प्रणाली को और भी बेहतर बनाने पर विचार करते हुए आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. नीतू ने विचार रखें और कहा कि हमारी पुस्तकालय सलाहकार कमेटी को सारे विभाग से नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए पुस्तकों के नाम की सूची लेकर देना है। योगा कमेटी महाविद्यालय में छात्राओं के साथ शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को योग के महत्व से परिचित करवाना है। महाविद्यालय से संबंधित पत्रिका प्रकाशित करने की योजना बनाई गई साथ ही महाविद्यालय में जितने भी सामान बेकार हो गए हैं एकत्रित करके उन्हें बेचने की योजना बनाई गई। महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को अपना बायोडाटा सॉफ्ट कॉपी और हार्ड कॉपी में देने को कहा गया। जिससे उनके शैक्षिक उन्नति का पता महाविद्यालय के पास हो। रसायन विज्ञान तथा आई क्यू ए सी के संयुक्त तत्वाधान में विश्व जल दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में डॉ. किरण कुमारी, डॉ. कल्पना सिंह , डॉ. नीतू, डॉ. मोहम्मद इरशाद आलम, डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ. अंजली कुमारी, डॉ. ज्योति कुमारी, डॉ. करिश्मा नाज, शिवांगी सिंह, डॉ. अमित कुमार, डॉ. विपिन दुबे, डॉ. अमृता सिंह, डॉ. चंदा कुमारी, डॉ. आकृति रानी इत्यादि शामिल हुए। शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में लवली सिंह, भास्कर गुप्ता, ज्ञान प्रकाश और प्रकाश कुमार पांडे इत्यादि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने भू-अर्जन कार्यालय के कार्यालय परिचारी को किया निलंबित

बीएनएम। मोतिहारी

जिला भू-अर्जन कार्यालय के कार्यालय परिचारी रामाज्ञा भगत के द्वारा एक विशेष व्यक्ति से भू-अर्जन कार्यालय से अभिलेख निकालने हेतु रिश्वत की मांग की गई जिसकी सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा तत्काल प्रभाव से कार्यालय परिचारी रामाज्ञा भगत को निलंबित कर दिया गया है। डीएम के द्वारा जिला भू अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि कार्यालय परिचारी रामाज्ञा भगत के विरुद्ध प्रपत्र- क में आरोप पत्र गठित कर आरोप पत्र एक सप्ताह के अंदर उपलब्ध करना सुनिश्चित करें। एक दूसरे मामले में अनुमंडल पदाधिकारी सदर के निर्देश पर कार्यपालक दंडाधिकारी सदर मोतिहारी के द्वारा संतोष कुमार श्रीवास्तव नाम के व्यक्ति के विरुद्ध नगर थाना में प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। संतोष कुमार श्रीवास्तव के द्वारा अनुमंडल न्यायालय सदर मोतिहारी का कर्मी बताते हुए विभिन्न कार्यालय में कार्य करा देने के नाम पर अवैध वसूली किया जाता है। कार्यालय निरीक्षण के क्रम में संतोष कुमार श्रीवास्तव को अनुमंडल न्यायालय कक्ष के बाहर बरामदे पर पाया गया। पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि उनका ही नाम संतोष कुमार श्रीवास्तव है।

सदर अस्पताल में परिवार नियोजन परामर्श केंद्र का हुआ उद्घाटन

परिवार नियोजन के अस्थायी संसाधन कंडोम, माला, छाया, अंतरा, गर्भनिरोधक दवाएं वितरित की जा रहीं है

बीएनएम। मोतिहारी

परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा की शुरुआत होने के साथ ही जिले के सदर अस्पताल मोतिहारी में परिवार नियोजन परामर्श केंद्र का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. रविभूषण श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। इस मौके पर सिविल सर्जन ने कहा कि परिवार नियोजन के प्रति योग्य दंपतियों को जागरूक करना, परामर्श उपलब्ध करना बढ़ती जनसंख्या पर रोक हेतु बेहद जरूरी है। इन्हीं लाभ को आमजनों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सदर अस्पताल में ओपीडी के बाहर भी महिला को बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी के बारे में जानकारी देने हेतु स्टॉल लगाकर परामर्श दिया जा रहा है। परिवार नियोजन के अस्थायी संसाधन जैसे कंडोम, माला, छाया, अंतरा, गर्भनिरोधक दवाएं वितरित की जा रहीं है।

सही समय पर विवाह एवं दो बच्चों के बीच तीन साल का अंतर होना जरूरी:- डीसीएम नंदन झा ने कहा कि युवक युवतियों का सही समय पर विवाह होना चाहिए एवं दो बच्चों के बीच तीन साल का अंतर होना जरूरी है इसके लिए जिले की आशा द्वारा लोगों को जागरूक किया जाता है। सास बहू सम्मेलन कराया जा रहा है।उन्होंने बताया कि जिले में परिवार नियोजन कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बैनर, पोस्टर, माइकिंग द्वारा लोगों को सही उम्र में शादी, पहले बच्चे में देरी, बच्चों के बीच सही अंतर तथा छोटा परिवार के लाभ के बारे में जागरूक किया जा रहा है।गर्भनिरोधक उपायों को अपनाने हेतु भी परामर्श दिया जा रहा है। सभी 27 प्रखंडो के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर परिवार नियोजन सेवाओं के तहत् प्रदान की जाने वाली सेवा यथा- कॉपर-टी, गर्भनिरोधक सूई/ एमपीए बंध्याकरण एवं नसबंदी की सेवा प्रदान करने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके सफल संचालन हेतु सांसद, विधायक, पंचायती राज संस्था के सदस्य, शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य कर्मी एवं सिविल सोसायटी के सदस्य के साथ ही प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल मीडिया चैनलों का सहयोग लिया जा रहा है।

पुरुष नसबन्दी भी है आसान प्रकिया :- डीएस डॉ. विजय कुमार, एसीएमओ गंगाधर तिवारी ने कहा कि सदर अस्पताल के साथ ही जिले सरकारी अस्पतालों में महिला बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी निःशुल्क कराई जाती है। उन्होंने कहा कि महिला बंध्याकरण से पुरुष नसबंदी की प्रक्रिया सरल है। पुरुष नसबंदी को लेकर समाज में कई प्रकार का भ्रम फैला हुआ है। इस भ्रम को तोड़ना होगा। छोटा परिवार सुखी परिवार की अवधारणा को साकार करने के लिए पुरुष को आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाने की जरूरत है। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए की प्रोत्साहन की राशि लाभार्थियों के खाते में भेजी जाती है। इस मौके पर सीएस डॉ. रविभूषण श्रीवास्तव, डीएस डॉ विजय कुमार, एसीएमओ डॉ. गंगाधर तिवारी, डीपीएम ठाकुर विश्व मोहन, डीसीएम नंदन झा, सदर अस्पताल प्रबंधक कौशल दुबे, डॉ. रश्मि श्री, पीएसआई डीसी अमित कुमार, संजीव कुमार, राजेश पाण्डेय व अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभ को लेकर शिविर 28 मार्च तक

बीएनएम। केसरिया। सामाजिक सुरक्षा योजना अंतर्गत नये आवेदनों की प्राप्ति व त्रुटि सुधार को लेकर बुधवार से प्रखण्ड कार्यालय परिसर में पंचायतवार शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन 28 मार्च तक किया जाएगा। जिसमें संबंधित पंचायत के इस योजना की पात्रता रखने वाले लाभुक आवश्यक कागजात के साथ शिविर में उपस्थित होकर लाभ ले सकते हैं। इसको लेकर बीडीओ कुमुद कुमार ने कार्यालयीय आदेश जारी कर संबंधित पंचायत के कार्यपालक सहायक, पंचायत सचिव व विकास मित्र को प्रतिनियुक्त किया है। जारी आदेश में बताया गया है कि इस शिविर में सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के नये पात्र लाभुकों से आवेदन प्राप्त कर इस योजना से आच्छादित किया जाना है। वहीं पेंशनधारियों के खाता बंद होने, पेंशन लंबित होने, नाम गलत होने आदि की शिकायत का समाधान किया जाएगा। शिविर के प्रथम दिन 19 मार्च को पूर्वी व पश्चिमी सरोतर एवं सेमुआपुर पंचायत के पात्र लाभुकों से आवेदन लिया गया। इस पंचायत के लिए 28 मार्च को भी शिविर आयोजित किया जाना है। वही 20 मार्च को रामपुर खजुरिया व दक्षिणी हुसेनी, 21 मार्च को उतरी हुसेनी व मठिया, 24 मार्च को लोहरगाँवा व बैरिया, 25 मार्च को पूर्वी व पश्चिमी सुन्दरापुर एवं ढेकहाँ, 26 को ताजपुर पटखौलिया, खिजिरपुरा बेनीपुर व बथना एवं 27 मार्च को कढान, गोंछी कुशहर व नगर पंचायत के लाभुकों का कार्य किया जाएगा।

अपहृत महिला को पुलिस ने किया बरामद

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के एक गांव से अपहृत महिला को पुलिस ने बरामद किया है। बरामद महिला को पुलिस कोर्ट में बयान कराने में जुटी हुई है। मामले में महिला के पति ने केस दर्ज कराया था। जिसमें सेमरा खास के आशा पासवान सहित चार लोगों को आरोपित किया था। बाताया था कि वह नेपाल में मजदूरी का काम करता है। इसीबीच 19 फरवरी 2025 की रात में बाइक से उसकी पत्नी का अपहरण कर लिया गया था। साथ ही घर के पेटी से 50 हजार नकदी सहित जेवरात गायब था। इसकी सूचना उसे मिली तो वह घर आया। घर आकर आरोपी के घर पूछने गए तो परिजनों ने दरवाजे से गाली गलौज कर भगा दिए। साथ ही जान मारने की धमकी दे रहे थे। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि महिला को बरामद कर कोर्ट में बयान की प्रक्रिया की जा रही है।

दो फरार शराब तस्कर सहित चार गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। रघुनाथपुर पुलिस व तुरकौलिया पुलिस ने दो फरार शराब तस्कर सहित चार लोगो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार फरार तस्करों में कवलपुर डीह का गणेश सहनी, रामपुर चारगाहा का चंदन मांझी है। जबकि दो शराबी रघुनाथपुर भवानी चौक से गिरफ्तार हुए है। राजा बाजार का कन्हाई सहनी और रघुनाथपुर के पवन सहनी है। मालूम हो कि अगस्त 2022 में पुलिस ने कवलपुर कान्ही टोला गांव में छापेमारी की गई। जहां 33 पीस शराब बरामद हुआ था। वही तस्कर गणेश सहनी फरार हो गया था। जबकि चंदन मांझी के घर के समीप से 8 लीटर देशी शराब बरामद हुआ था। लेकिन वह नदी के रास्ते फरार हो गया था। वही दोनों शराबी मंगलवार की शाम शराब पीकर रघुनाथपुर भवानी चौक पर हंगामा कर रहे थे। जिन्हें पकड़कर मेडिकल जांच कराया गया। जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई। पुलिस चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

यज्ञ मंडप की परिक्रमा के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़

बीएनएम। हरसिद्धि। मठलोहीयार पंचायत के अहिरटोली गांव में चल रहे 10 दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ के तीसरे दिन भक्तों की भारी भीड़ यज्ञ मंडप की परिक्रमा के लिए उमड़ी। पूरे दिन श्रद्धालु मंडप की परिक्रमा कर पुण्य अर्जित करते रहे। यज्ञ संचालक श्री 1008 श्री मनमोहन बाबा के देखरेख में सभी अनुष्ठान विधि-विधान से संपन्न कराए गए। मनमोहन बाबा ने बताया कि जो भक्त सच्चे मन से भगवान के नाम पर जितने पग चलते हैं, उनके सारे कष्ट भगवान की कृपा से मिट जाते हैं। जन्म-जन्मांतर के पाप भी नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि आदि काल से मानव कल्याण के लिए महायज्ञ का आयोजन होता आ रहा है। वही साध्वी प्रेम प्रिया ने कहा महायज्ञ के दौरान सभी देवी-देवता और तीर्थ विराजमान होते हैं। शास्त्रों के अनुसार, यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। आचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि शुद्ध चित्त और लक्ष्मी-नारायण के प्रति समर्पण भाव से परिक्रमा करनी चाहिए। मन ही मन 'ॐ नमः भगवते वासुदेवाय' का जाप करते हुए परिक्रमा करने से एकाग्रता बनी रहती है और यह अधिक फलदायी होती है। इस मौके पर महायज्ञ कमेटी के अध्यक्ष प्रभु पंडित, कोषाध्यक्ष मोतीलाल पंडित, सचिव बृजकिशोर यादव, आचार्य राकेश मणि त्रिपाठी, कथावाचक साध्वी प्रेम प्रिया,भजन गायक जगदीश पंडित, जोगिंदर राम, मनोज कुमार, राजेंद्र यादव, स्वामी सुखदेव के साथ सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद रहे।

मनाया गया अन्नप्रसन्न दिवस

बीएनएम। शेखपुरा की औधे पंचायत के आंगनवाड़ी केंद्र संख्या 119 पर अन्नप्रशन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत की मुखिया नवीता देवी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी संजू कुमारी की अध्यक्षता आयोजित किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ शिशु अद्विक वैभव को खीर खिला कर किया गया! इस दौरान बाद बाल विकास परियोजना पदाधिकारी संजू कुमारी ने सभी को संबोधित करते हुये बताया कि बच्चों के विकास में उचित खान-पान पर ध्यान देना आवश्यक है जिसमें बच्चों को जन्म के 6 महीने तक सिर्फ माता का दूध देना चाहिये, साथ ही साफ़-सफाई पर भी ध्यान देना एवं ससमय टीकाकरण भी जरुरी है ! कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी सेविका मंजू देवी, जीविका समुह की सदस्य एवं पीरामल फाउंडेशन की सोनी झा उपस्थित थीं!

जनता की आवाज ताकत, भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने के लिए जन सुराज तैयार

बीएनएम।बगहाः प्रखंड बगहा एक के नड्डा पंचायत में बुधवार को जन सुराज पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता बगहा विधानसभा की भावी प्रत्याशी स्मिता चौरसिया ने की। बैठक में स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने पार्टी की नीतियों और आगामी चुनावी रणनीतियों पर चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए स्मिता चौरसिया ने कहा कि जन सुराज पार्टी बगहा विधानसभा में विकास की नई लकीर खींचने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार को प्राथमिकता देने का वादा किया। उन्होंने कहा, "जनता की आवाज़ ही हमारी ताकत है। हम क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे और जनता को पारदर्शी व भ्रष्टाचारमुक्त शासन देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस अवसर पर कई स्थानीय नेताओं, युवाओं और महिलाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए और जन सुराज पार्टी के समर्थन में नारे लगाए। बैठक के अंत में, ग्रामीणों ने पार्टी की विचारधारा को सराहा और चुनाव में समर्थन देने का आश्वासन दिया। बगहा विधानसभा में जन सुराज पार्टी के बढ़ते जनाधार को देखते हुए यह बैठक राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस अवसर पर दर्जनों की संख्या में महिला पुरुष और नवयुवक शामिल रहे।

पंचायत के लोगों की समस्याओं का होगा निराकरण

बीएनएम। शिवहर। डुमरी कटसरी- प्रखंड क्षेत्र के जहांगीरपुर पंचायत के महादलित टोला में पंचायत के मुखिया रवि कुमार के उपस्थिति में बिडीओ अरुण कुमार सिंह ने किया बैठक। बैठक के दौरान महादलित टोला में बसे हुए लोगों के समस्याओं की सुनवाई की और निष्पादन आश्वासन दिया। बताया गया कि आपका हर समस्या का निराकरण करना प्रथम प्राथमिकता है। बैठक में उपस्थित सभी विभाग की कर्मियों को समस्या से अवगत कराया गया तथा निष्पादन करने के लिए निर्देश दिया गया। बीडिओ अरुण कुमार सिंह ने कर्मियों कहा कि महादलित बस्ती में नल जल की समस्या, शौचालय की समस्या की आवास से जुड़े हुए समस्या का तुरंत निपटारा कराया जाए। मौके पर वार्ड सदस्य मुन्ना कुमार सिंह एवं विभाग के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रिंट, सिनेमा, टेलीविजन तथा डिजिटल मीडिया तकनीकी में शोध कार्य महत्वपूर्णः प्रो.गोविंद

एमजीसीयू में आईसीएसएसआर प्रायोजित मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा दस दिवसीय कार्यशाला का हुआ उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी

भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा दस दिवसीय शोध प्रविधि कार्यशाला का शुभारंभ बुधवार को किया गया। कार्यशाला में देश के अलग-अलग विश्वविद्यालयों तथा विषयों के शोधार्थी हिस्सा ले रहे है। कार्यशाला के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के लिए कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। उद्घाटन समारोह के मुख्य वक्ता प्रो. गोविंद पांडेय,अध्यक्ष, जनसंचार विभाग बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ और विशिष्ट वक्ता बुद्ध परिसर के निदेशक प्रो. रणजीत कुमार चौधरी थे। स्वागत कार्यशाला निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा एवं संचालन कार्यशाला सहायक निदेशक डॉ. सुनील दीपक घोडके ने किया। मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सत्रों के कार्यक्रम से सभी सहभागियों को अवगत कराया। विषय प्रवर्तन करते हुए उन्होंने शोध के महत्व और उसके विभिन्न आयामों पर चर्चा की।सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. गोविंद पांडेय ने अपने बीज वक्तव्य में गुणात्मक तथा मात्रात्मक शोध के प्रकार और अनुप्रयोग पर विस्तार से अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने शोध के प्रकार, महत्व, क्षेत्र, उपकरण, प्रविधि आदि पहलुओं पर महत्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने प्रिंट, सिनेमा, टेलीविजन तथा डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी परिवर्तन तथा उसके अनुरूप शोध प्रविधियों के चयन और प्रयोग की विधि का भी विस्तृत वर्णन किया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में वक्तव्य देते हुए प्रो. गोविंद पांडेय ने भारतीय ज्ञान परंपरा तथा कृत्रिम बुद्धिमता के क्षेत्र में हो रहे शोध, विकास और उसकी चुनौतियों के विभिन्न पक्षों पर कार्यशाला के सहभागियों से संवाद किया। दूसरे सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कम्प्यूटेशनल साइंस, इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के डीन, प्रो. रणजीत कुमार चौधरी 'रिसर्च डिज़ाइन एंड मेथोडोलॉजिकल फ्रेमवर्क' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने शोध की संरचना, प्रविधि, शोध की नैतिकता व साहित्यिक चोरी के तकनीकी पक्षों से शोधार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने शोध के क्षेत्र में पुस्तकालय और पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका और महत्व पर भी विस्तार से अपनी बात रखी।कार्यशाला में मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनील दीपक घोडके ने सभी आमंत्रित वक्ताओं तथा शोधार्थियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और कार्यशाला के आगामी सत्रों को लेकर शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यशाला में विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. साकेत रमण, तथा डॉ. उमा यादव, डॉ. मयंक भारद्वाज और डॉ. आयुष आनंद के साथ-साथ मीडिया विभाग के शोधार्थी तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

डाटा इंट्री ऑपरेटर किए गए प्रशिक्षित

बीएनएम। शेखपुरा

समाहरणालय के मंथन समागार में जिले के सभी कार्यालय एवं विभाग के डाटा इन्ट्री ऑपरेटरों को " जन शिकायत पोर्टल " के क्रियान्वयन संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है. इस मौके पर जन शिकायत कोषांग शेखपुरा के प्रभारी पदाधिकारी अभिजीत सोनल ने बताया कि इस किस पोर्टल का शुभारंभ जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा दिनांक 10 मार्च को किया गया था. इस पोर्टल पर आवेदक किसी भी साइबर कैफे या कम्प्यूटर से पोर्टल पर अपनी समस्या के निराकरण हेतु आवेदन कर सकते हैं. साथ ही उस आवेदन के आलोक में निष्पादन की स्थिति भी देख सकते है. जिला आई-टी-मैनेजर द्वारा सभी उपस्थित ऑपरेटर के बीच पोर्टल संबंधी जरूरी जानकारी साझा की गई. पोर्टल का लिंक है:- jansamadhanskp.bihar.gov.in

पलायन रोको,नौकरी दो यात्रा की शुरुआत

बीएनएम। बेतिया

पलायन रोको,नौकरी दो यात्रा की शुरुआत महात्मा गांधी की कर्मभूमि पश्चिमी चंपारण के भितिहरवा आश्रम कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के नेतृत्व में किया गया । वहीं अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव तबरेज अहमद ने पलायन रोको,नौकरी दो यात्रा में शिरकत लेने के बाद प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से सबसे पहले बिहार प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश कुमार को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामना दी । कांग्रेस पार्टी के आह्वान पर बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लाबरू, प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर अखिलेश प्रसाद सिंह,एवं कन्हैया कुमार के नेतृत्व में पलायन रोको,नौकरी दो यात्रा का शुभारंभ किया गया है।वही प्रदेश सचिव तबरेज अहमद ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य यह है कि सबको शिक्षा, सबको काम,हर बिहारी को बराबर का आत्मसम्मान देना है।साथ ही साथ हम लोग संविधान के प्रति लोगों को जागरूक करने का भी काम कर रहे हैं जिससे लोग जागरुक हो जाएं और अपना हक अधिकार के बात करें ।आगे तबरेज ने बताया कि बिहार में पलायन कोई सहयोग नहीं,बल्कि सरकार की गलत नीतियों और अदूरदर्शी सोच का परिमाण है।अब वक्त आ गया है बिहार को एक नई दिशा देने का,ताकि कोई भी प्रदेश के परिवार को पलायन का दंश ना झेलना पड़े।वही कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष उमैर खान ने बताया कि हम लोग लगतार यात्रा के माध्यम से लोगों को जागरुक एवं जोड़ने के काम कर रहे हैं भारत जोड़ो यात्रा से लेकर पलायन रोको,नौकरी दो यात्रा का शुभारंभ पश्चिमी चंपारण से किया गया जहां लोगों में काफी कांग्रेस के प्रति जागरूक एवं जुनून देखा गया।

चालक समेत चार घायल

बीएनएम। शेखपुरा

चेवाड़ा से शेखपुरा आ रही ई रिक्शा पलट गई. इस दुर्घटना में एक महिला और चालक समेत चार लोग घायल हो गए. ई रिक्शा चालक ने बताया कि चेवाड़ा से शेखपुरा आने के क्रम में कॉलेज मोड के समीप एक बाइक चलती ई रिक्शा के सामने आ गई. इस दुर्घटना में एक महिला और ई रिक्शा चालक समेत चार लोग घायल हो गए. घायलों की पहचान कमलगढ़ निवासी अमीरक यादव, बसंत गांव निवासी पूजा कुमारी, चेवाड़ा निवासी अनिल पासवान ऑट पिंड शरीफ निवासी ई रिक्शा चालक रिजवान आलम घायल हो गए. घायलों ने बताया है की वह बाजार करने शेखपुरा आ रहे थे तभी कॉलेज मोड के समीप अनियंत्रित बाइक चलती ई रिक्शा के सामने आ गई और ई रिक्शा चालक ने नियंत्रण खो दिया जिसकी वजह से वाहन पलट गई और चार लोग घायल हो गए. सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से शेखपुरा सदर अस्पताल लाया गया. जहां उनका उपचार किया जा रहा है.

मोटे अनाज के उत्पादक 33 किसान हुए पुरस्कृत

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पीपराकोठी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के अटल सभागार में पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी बुधवार को संपन्न हुई। अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, शाल भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केविके के प्रधान वैज्ञानिक डा. अरविन्द कुमार सिंह ने किया। डीएओ मनीष कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान में हम रसायनिक खाद व उन्नत प्रभेद के बीजो का उपयोग कर उत्पादन में भले ही वृद्धि कर लिये हो,लेकिन आज भी पारम्परिक मोटे अनाज, फल, फूल एवं सब्जियों का उत्पादन हो रहा हैं जिसमें कुछ न कुछ औषधीय गुण हुआ करते हैं। उन फसलों का उत्पादन धीरे धीरे कम होने लगा। बहुत से लोग आज भी वैसे फसलों का उत्पादन किया करते हैं लेकिन इसकी जानकारी ना ही सरकार को हैं और ना ही विभाग को ही हैं. और उन विलुप्त हो रहे फसलों के बढ़ावा को लेकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं। केविके प्रमुख डा. अरविन्द कुमार सिंह कहा कि हमारे पुरखो द्वारा उत्पादित फसल में गुणवत्ता हुआ करती थी। उसे आज भी विकसित करने की जरुरत हैं। किसानों को उनका उचित अधिकार प्राप्त हो इसके लिए सरकार ने पीपीभीएफआरए को लागू किया गया, जिसमें परम्परागत 158 प्रकार के फसलों को शामिल किया गया। और उन्हें शोध कर विकसित किया गया हैं। यहां के किसान भी परम्परागत खेती किया करते हैं। प्रदर्शनी में करीब 150 किसानों ने अपने खेतों से उत्पादित पारम्परिक मोटे अनाजो के बीज को लाया। उनके अनाजों को पंजीकरण कर पैकिंग किया गया, जिसे केविके पीपीभीएफआरए को भेजेगी। इस दौरान कोटवा के प्रयाग सिंह, रमाकांत, दिनबंधु गुप्ता कल्याणपुर सहित 33 किसानों को मोटे अनाज के उत्पादन के लिए प्रशस्ती पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। मौके पर वैज्ञानिक डा.अर्णव कुंडू, डा.गायत्री कुमारी पाढ़ी, डा.सविता कुमारी डा. आरबी शर्मा, राजेश्वर सिंह, जयशंकर सिंह, मनोरंजन सिंह, रामनरेश गिरी, राजन शर्मा, राजेश कुमार यादव, भारत भूषण सिंह, सहित अन्य वैज्ञानिक व किसान मौजूद थे।

पीपरा थानाध्यक्ष को एसपी ने किया सस्पेंड

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पीपरा थानाध्यक्ष अंबेश कुमार को एसपी ने निलंबित कर दिया।बताया गया कि उन्होने बीते वर्ष पहाड़पुर थानाध्यक्ष रहते हुए बाइक चोरी के केस को 7 दिन विलंब से पंजीकृत किया था। एफआईआर विलंब से होने के कारण वादी को इंश्योरेंस कंपनी के द्वारा क्लेम रिजेक्ट कर दिया गया। वादी ने डीजीपी जनता दरबार में गुहार लगाई थी। मामला संज्ञान में आने में मोतिहारी एसपी के द्वारा स्वयं जांच की गई। मामले में दोषी पाते हुए तत्कालीन पहाड़पुर थानाध्यक्ष और वर्तमान में पीपरा एसएचओ को निलंबित कर विभागीय कारवाई शुरू कर दी गई है।यहां बता दे कि पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा है,कि किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। उन्होने सभी थानाध्यक्ष,सर्किल इंस्पेक्टर, एसडीपीओ को सख्त निर्देश दिया है कि प्रत्येक कार्य दिवस पर जन सुनवाई करना सुनिश्चित करे। थाना और कार्यालयों में आने वाले आम जनता को वापस नहीं घुमाए। समस्या छोटी हो या बड़ी, सबकी समस्याएं सुनी जाए, समाधान और निराकरण का प्रयास करे।

6 अप्रैल को होगा एनडीए का कार्यकर्ता सम्मलेन

बैठक करते एनडीए घटक दल के जिलाध्यक्ष व कार्यकर्ता

बीएनएम। शेखपुरा. शेखपुरा के निजी होटल सभागार में एनडीए घटक दल की अहम बैठक का आयोजन किया गया, इस बैठक में एनडीए घटक दल के सभी जिला अध्यक्ष मौजूद रहे. इस बैठक के मुख्य अतिथि प्रभारी ने कहा कि आगामी 6 अप्रैल को कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन इस्लामिया स्कूल के खेल मैदान में किया जाना है. यही नही आगामी विधानसभा चुनाव में सभी घटक दल एकजुट होकर चुनाव मे एक दूसरे का सहयोग करेंगे । बैठक में जदयू जिलाध्यक्ष, भाजपा जिलाध्यक्ष, हम पार्टी के जिलाध्यक्ष, रालोमो जिलाध्यक्ष समेत घटक दल के दर्जनों कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए.

जन सुराज पार्टी की बैठक

बीएनएम। योगापट्टी। प्रखंड क्षेत्र के मच्छरगांवा में जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में जनसुराज के नेता डॉ कोदो हवारी ने कहा कि जनसुरज के नेतृत्व कर्ता प्रशांत किशोर का कहना है कि हमें बिहार से पलायन रोकना है। बिहार में ही लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है । बैठक में विक्रम दास,बाबा जयप्रकाश मुखिया,धर्मेंद्र शाह,मुकेश कुमार,शत्रुघन यादव,विजय प्रसाद समेत अन्य मौजूद रहे।

मोस्ट वांटेड अपराधी गिरफ्तार

गिरफ्तार अपराधी के साथ टाउन थाना के पुलिस

बीएनएम। शेखपुरा

टाउन थाने की पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मोस्ट वांटेड अपराधी को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई पुलिस ने कचहरी रोड में किया है. गिरफ्तार आरोपित हत्या, गोलीबारी और शराब तस्करी जैसे कई मामलों में नामजद है. यह कार्रवाई पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर की। पुलिस गुप्त सूचना पर कचहरी के समीप घात लगाकर अपराधी का इंतजार सड़क किनारे कर रही थी । जैसे ही आरोपी कचहरी से बाहर निकला। पुलिस ने उसे दबोच लिया. इस छापेमारी का नेतृत्व एएसआई जय कुमार यादव ने किया. गिरफ्तार अपराधी की पहचान वाजिदपुर निवासी प्रकाश राम का पुत्र शत्रुधन राम के रूप में की गई है. 14 मार्च को हुए एक जानलेवा हमला मामले में पुलिस को उसकी तलाश थी । थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि स्थानीय थाना में 6 मामले दर्ज हैं. आरोपी के खिलाफ अन्य थाना में भी कई मामला दर्ज है. कोरमा थाना क्षेत्र के मुरारपुर गांव निवासी दशरथ राम की हत्या में भी वह नामजद अभियुक्त है. शत्रुधन राम शराब निर्माण और शराब तस्करी का मुख्य रूप से धंधा करता है.

कोपरिया में भव्य विष्णु महायज्ञ का शुभारंभ

» देवकी नंदन ठाकुर के प्रवचन से गूंजा माहौल

बीएनएम। सहरसा

जिले के कोपरिया गांव में नौ दिवसीय विष्णु महायज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। मंगलवार को 2100 कन्याओं और महिलाओं ने पीले वस्त्रों में कलश यात्रा निकाली गई थी, जो कोसी नदी से पवित्र जल भरकर यज्ञ स्थल तक पहुंची थी। इस शुभ अवसर पर सांसद दिनेश चंद्र यादव, पूर्व सांसद चौधरी महबूब अली कैसर और अन्य गणमान्य अतिथियों ने फीता काटकर महायज्ञ का उद्घाटन किया था यज्ञ स्थल पर 109 देवी-देवताओं की मूर्तियों की स्थापना के साथ 108 कुंडीय महायज्ञ की विधिवत शुरुआत हुई। श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद स्वरूप खीर का वितरण किया गया। मंगलवार को दरभंगा एयरपोर्ट पहुंचे देश के ख्यातिप्राप्त कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर का स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। आज से वे प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक प्रवचन देंगे, जिसके बाद अयोध्या से आए संतों के प्रवचन होंगे। रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक भक्त रसलीला का आनंद लेंगे। इस विशाल धार्मिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना दिया है, जहां हजारों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं।

प्रतिस्पर्धी बने सहायक

भारत के 'राष्ट्रीय चैंपियन इतनी सहजता से बहुराष्ट्रीय कंपनी के सहायक की भूमिका में आ सकते हैं, तो उनके राष्ट्रीय चरित्र एवं भूमिका पर सवाल खड़े होंगे। इससे भारत उदय की सारी कथा पर नए सिरे से सोचने की परिस्थिति पैदा होगी। भारत के दूरसंचार बाजार में लगभग ड्यूपॉली (द्वि-अधिकार) की स्थिति है। रिलायंस जियो और भारती एयरटेल का बाजार के ज्यादातर हिस्से पर कब्जा है। इन्हें प्रतिस्पर्धी कंपनियां समझा जाता है। सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के क्षेत्र में इलॉन मस्क की कंपनी स्पेस-एक्स के उतरने की संभावना के बीच अपेक्षा थी कि दोनों कंपनियां आपसी प्रतिस्पर्धा जारी रखते हुए स्पेस-एक्स की स्टारलिंक सेवा के साथ होड़ करेंगी। मगर अब सूरत यह है कि भारत में उपग्रह इंटरनेट सेवा शुरू होने के पहले ही उसमें स्टारलिंक की मोनोपॉली (एकाधिकार) कायम हो गई है। जिन कंपनियों से प्रतिस्पर्धा की अपेक्षा थी, वे स्पेस-एक्स की सहायक बन गई हैं। दोनों कंपनियों ने स्पेस-एक्स से जो करार किया, उससे साफ है कि ये भारतीय बाजार में स्टारलिंक सेवा प्रदान करने वाली एजेंसी की भूमिका में होंगी। इसीलिए इन कंपनियों के बीच हुए करार को आश्चर्यजनक घटना माना गया है। जियो भारत में सबसे बड़ा टेलीकॉम ऑपरेटर है। अनुमान है कि उसके 48 करोड़ से अधिक यूजर हैं। अब वह अपने रिटेल स्टोरों में स्टारलिंक के उपकरण का स्टॉक करेगी। उसके हजारों आउटलेट्स का उपयोग स्टारलिंक अपने प्रत्यक्ष वितरण केंद्र के रूप में करेगी। इसी भूमिका में एयरटेल भी होगी। यहां याद करना उचित होगा कि सैटेलाइट इंटरनेट के स्पेक्ट्रम आवंटन को लेकर मस्क और भारतीय कंपनियों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई थी। रिलायंस चाहती थी कि सेटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम की नीलामी हो। मस्क की कंपनी का तर्क था कि स्पेक्ट्रम का आवंटन प्रशासनिक रूप से किया जाए। लेकिन अब सारा विवाद दूर हो गया है। वह भी तब, जबकि भारत सरकार ने स्पेक्ट्रम का आवंटन किया नहीं है। वैसे मीडिया कयास के मुताबिक इन करार के पीछे भारत और अमेरिका की सरकारों ने भी परोक्ष भूमिका निभाई है। इस घटनाक्रम से भारतीय पूंजीवाद के रूप पर नई बहस खड़ी होगी।

मोदी-मंत्रों के साथ विकास की ऊँची उड़ान का संकल्प

मध्यप्रदेश सरकार का बजट

रमेश शर्मा

डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में काम कर रही मध्यप्रदेश सरकार का यह बजट बहुआयामी है। इसमें विकसित मध्यप्रदेश की रूपरेखा के साथ प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी के तीनों मंत्र की झलक है। मोदीजी के ये तीन मंत्र च्विकास के साथ विरासतज्ज् च्द्द4ड्डठ्ठ का सम्मानज्ज् और च्लोकल फॉर वोकलज्ज् हैं । इस बजट आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ विकसित भारत का संकल्प पूरा करने के प्रावधान भी हैं। बिना कोई नया कर लगाये 15त्न की वृद्धि इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता है। वर्ष 2025-26 केलिये मध्यप्रदेश सरकार का बजट आ गया है। विशेषताओं, व्यापकताओं और नवाचारों से युक्त है। यह बजट बुधवार 12 मार्च को वित्तमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में प्रस्तुत किया। बजट में एक ओर मध्यप्रदेश की साँस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को सहेजा गया है तो दूसरी ओर आधुनिक दुनियाँ की दौड़ में अग्रणी रहने केलिये औद्योगिकरण को गति देने का प्रयास कियागया है। ताकि मध्यप्रदेश भारत के विकसित प्रातों में अग्रणी बन सके। बजट परिवार का हो, या किसी स्वायत्तशासी संस्थान का। अथवा किसी प्रगतिशील राष्ट्र का। उसमें अतीत के अनुभव, आधारभूत आयामों का सशक्तिकरण, आयवृद्धि के उपाय और व्यय का नियमन होना चाहिए। इसके साथ एक गतिमान वातावरण भी होना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार का यह बजट इन आधारभूत आवश्यकताओं के अनुरूप है। यह अनेक विशेषताओं, व्यापकताओं और नवाचारों से युक्त है। बजट में किसी भी पुरानी योजना को बंद नहीं किया गया है । और न कोई नया टैक्स लगाया गया है। किसी पुराने टैक्स में वृद्धि भी नहीं की गई।

विरासत के साथ विकास- किसी भी परिवार, समाज और देश की अपनी विरासत होती है। उसमें विशेषताओं और वर्जनाओं दोनों की झलक होती है। विरासत और इतिहास वर्तमान पीढ़ी को अपनी विकास यात्रा में गतिमान बनाता है। विरासत में अनेक कथानक भी जुड़े होते हैं। इन कथानकों में उन्नति का संदेश और अवनति के प्रति सावधानी भी होती है। मध्यप्रदेश में ऐसे अनेक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और पुरातात्विक स्थल हैं जो गौरवशाली अतीत के प्रसंगों से जुड़े हैं। मध्यप्रदेश सरकार के इस बजट में उन सभी स्थानों के विकास को महत्व दिया गया है। जिससे पर्यटन बढ़ेगा और मध्यप्रदेश की विशिष्ठ पहचान संसार के सामने आ सकेगी। इससे एक तीसरा लाभ भी है जो प्रदेश की वर्तमान पीढ़ी में एक विशिष्ट आत्म विश्वास का संचार करेगा। वही पौधा विशाल वृक्ष बनकर आसमान की ऊँचाइयों को छूता है जिसकी जड़ें गहरी होतीं हैं। यदि जड़ें कमजोर हैं तो वृक्ष पहली बरसाती बाढ़ में ही बह जायेगा। इसलिये जड़ों का गहरा और मजबूत होना जरूरी है। यही सिद्धांत समाज और राष्ट्र के दीर्घजीवन पर भी लागू होता है। इसीलिए प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी ने विकसित भारत यात्रा को विरासत से जोड़ा है। जिसे मध्यप्रदेश सरकार ने भी अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रात है। यह संसार के प्राचीनतम भूभागों में से एक है। अरावली, सतपुड़ा और विन्ध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं से समृद्ध यह भूभाग तब भी था जब हिमालय नहीं था और यूरोप ने आकार भी नहीं लिया था। यहाँ करोड़ो वर्ष पुराने जीवाश्म और लाखों वर्ष पुराने शैलचित्र मिलते हैं। डायनासोर के जीवाश्म भी मध्यप्रदेश में मिले हैं। डॉ मोहन सरकार के इस बजट में इन सभी विशिष्ट स्थलों को सहेजने का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने संस्कृति पर्यटन और धर्मस्व विभाग में 1610 करोड़ का प्रावधान किया है। इसके अंतर्गत दो जीवाश्म पार्क विकसित करने किये जायेगें इनमें करोडों वर्ष पुराने डायनासोर के जीवाश्म सहित वे सभी च्फॉसिल्सज्ज् सहेजे जायेगें जो आज भी पूरे विश्व केलिये कौतुहल हैं। फॉसिल्स पार्क विकसित हो जाने से संसार भर के शोधकर्ता मध्यप्रदेश आयेंगे। इससे प्रदेश की साख पूरे संसार में बढ़ेगी और स्थानीय नागरिकों को रोजगार के परोक्ष अवसर भी मिलेंगे। इसके साथ औकारेश्वर, महाकाल उज्जैन, मैहर जैसे धार्मिक स्थलों को पर्यटन के रूप में विकसित करने के प्रावधान किये गये हैं। बजट में वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिये दो हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस वर्ष प्रयागराज महाकुंभ में श्रृद्धालुओं की संख्या को देखकर मध्यप्रदेश सरकार अभी से सावधान हुई है। बजट में महाकाल लोक की भाँति ओंकारेश्वर महालोक विकसित करने का प्रावधान है। औकारेश्वर आदि शंकराचार्य जी की तपोस्थली भी रही है। यहाँ आचार्य शंकर अद्वैत वेदान्त संस्थान स्थापना के साथ अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदान्त संस्थान की स्थापना की जा रही है। इसके लिये पाँच सौ करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है। त्रेतायुग में भगवान श्रीराम अपनी वनयात्रा में मध्यप्रदेश भी आये थे। चित्रकूट से लेकर अमरकंटक तक उनकी यात्रा के चिन्ह हैं। बजट में रामपथ गमन के विकास केलिये तीस करोड़ का प्रावधान किया गया है। वही? महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण की यात्रा चिन्हों को समेटने केलिये श्रीकृष्ण पाथेय योजना पर दस करोढ़ रुपये का प्रावधान है। इनके अतिरिक्त धार्मिक और सांस्कृतिक अन्य 14 स्मारकों को सहेजने केलिये बजट में 507 करोड़ का प्रावधान किया गया है। मध्यप्रदेश सरकार इन सभी स्थलों पर अधोसंरचना के विकास के साथ पर्यटन प्रोत्साहन की योजना पर काम कर रही है । इससे दो लाभ होंगे एक तो पर्यटन से स्थानीय नागरिकों को परोक्ष रोजगार मिलेगा और दूसरा मध्यप्रदेश की विरासत संसार के सामने आ सकेगी। इन सभी स्थलों पर धार्मिक ग्रंथों, साहित्य और वैज्ञानिक अनुसंधान एवं अध्ययन केन्द्र भी स्थापित किये। इस मद पर सौ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मध्यप्रदेश सरकार के इस बजट में यदि अपनी विरासत सहेजने का प्रावधान किया गया है तो आधुनिक विकास यात्रा केलिये औद्योगिकरण पर भी जोर दिया है । यह पूरा वर्ष उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जायेगा। बजट में 39 नये औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की घोषणा की गई है, उद्योगों केलिये भूमि आवंटन की अवधि 59 दिन से घटाकर 29 दिन कर दिया गया है। निवेश अनुदान के लंबित प्रकरण के निराकरण केलिये बजट प्रावधान भी बढ़ाया है। इन निर्णयों से मध्यप्रदेश के औद्योगीकरण की गति बढ़ेगी। विशेषकर उद्योग वर्ष मनाने की घोषणा से स्थानीय नागरिकों में उद्योग स्थापना के प्रति रुचि जाग्रत होगी। वे अपनी रुचि, प्रतिभा और क्षमता के अनुरुप अपना उद्योग व्यापार स्थापित करने की ओर प्रोत्साहित होंगे। मध्यप्रदेश सरकार की यह नीति आधुनिक दुनियाँ की प्रगति दौड़ में प्रदेश और देश को अग्रणी बनने केलिये महत्वपूर्ण है। आज की दुनियाँ में विकास की दौड़ की बुनियाद औद्योगिकरण है। औद्योगिकरण की मानों एक स्पर्धा चल रही है। इसमें अग्रणी रहने केलिये औद्योगिकरण में नवाचार जरूरी है। इन नवाचारों केलिये ही पहले मध्यप्रदेश में क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट और बाद में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन हुये। बजट के इन प्रावधानों से इन नवाचारों को गति मिलेगी। इसीलिए मध्यप्रदेश सरकार ने अपने बजट में च्विरासतों को सहेजने के साथ औद्योगिक विकास के भी प्रावधान किये हैं। विरासत सहेजने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और औद्योगिक योजनाओं से आधुनिक विकास को गति मिलेगी।

लोकल फॉर वोकल के साथ प्रगति की यात्रा- वित्तमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने प्रत्येक जिले के अपने विशिष्ट उत्पाद को प्रोत्साहित करने की घोषणा की है। इसके स्थापित किये जाने वाले लघु कुटीर और मध्यम उद्योगों को भूमि आवंटन, अनुदान और उत्पाद विक्रय को प्रोत्साहित करने की घोषणा भी की है। मध्यप्रदेश सरकार के इस बजट में सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक विरासत को सहेजने के साथ प्राकृतिक विशेषताओं को भी संसार के सामने लाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी विशेषता होती है इसे उस क्षेत्र के निवासियों के शिल्प कौशल उत्पाद, फसलों एवं फलों की विशिष्ठता से समझा जा सकता है । इस बजट में प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पाद को प्रोत्साहित करने की घोषणा की गई है। उस विशिष्ट उत्पाद से प्रत्येक जिले की विशेष पहचान वैश्विक होगी, वैश्विक मार्केट मिलेगा। मुद्रा के परिचालन से अर्थ व्यवस्था को मजबूत बनाने में सहायता मिलेगी। इसके लिये परिवहन व्यवस्था का सक्षम होना आवश्यक है। बजट में इस मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति केलिये गांव और कस्बों के साथ मँझरे और टोलों को प्रमुख सड़क मार्गों से जोड़ने की घोषणा की गई है। गांव, कस्बों, मँझरे टोलों तक परिवहन सेवाएँ बढ़ने से स्थानीय उत्पाद को बाजार मिलने में सुविधा होगी और निवेशकों में आकर्षण बढ़ेगा। बजट में प्रत्येक जिले के विशेष के उत्पाद को पहचान बनाने की घोषणा की गई है। इतिहास में भारत को च्च्सोने की चिड़ियाज्ज् कहा गया है। भारत की यह समृद्धि स्थानीय उत्पाद की विशिष्टता के आधार पर ही मिली थी। मध्यप्रदेश सरकार के बजट की यह योजना बहुत दूरगामी परिणाम देने वाली है । आरंभ में भले ही जनरुचि जागरण की गति धीमी रहे, क्रियान्वयन भी धीमा हो सकता है लेकिन के मध्यप्रदेश रचना के लिये यह आवश्यक है।

सूडोकु नवताल- 7375

कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7374 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

प्लेसमेंट व पैकेज की समस्या से जूझते युवा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पढ़े-लिखे युवाओं के लिए रोजगार की अनुपलब्धता किसी एक देश की समस्या ना होकर वैश्विक बन गई है। अब तो यह भी बेमानी है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह है कि दुनिया के श्रेष्ठतम अध्ययन केन्द्रों से पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। यह वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए किए युवाओं को पासआउट होने के तीन माह बाद तक नौकरी की पेशकश नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर किए गए अध्ययन में इसका खुलासा किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब-करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था, वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं-कहीं तो छह गुणा तक की यह बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टैंण्डर्ड निर्विवाद रूप से विश्व भर में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है, उनकी यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिश्योक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। सवाल केवल प्लेसमेंट तक सीमित नहीं है अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल, कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबंधन संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते-आते 27 लाख पर आ गया है। यह सब देश-दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी ओर घरबार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्रॉम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हालांकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं जिनमें इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी, यह स्वयं में सोचनीय है। जहां तक हमारे देश की बात की जाए तो यह साफ है कि हमारे यहां एक तरह से अंधी दौड़ चलती है। एक समय था जब कुकुरमुत्ते की तरह प्रबंधन संस्थान खुले और आज हालात यह है कि निजी क्षेत्र में खुले इस तरह के संस्थानों को क्षमता के अनुसार विद्यार्थी ही नहीं मिल रहे हैं। लगभग यही स्थिति इंजीनियरिंग कॉलेजों की होती जा रही है। गली-गली में फार्मेसी संस्थान खुलते जा रहे हैं। सौ टके का सवाल यह है कि अध्ययन संस्थान खोलने की अनुमति के साथ ही अध्ययन का स्तर भी बनाये रखने के लिए फैकल्टी को लेकर भी मान्यता देते समय सरकार को गंभीर होना होगा। जब तक स्तरीय अध्ययन उपलब्ध नहीं होगा तब तक हम पासआउट तो करते रहेंगे पर प्लेसमेंट या अच्छे पैकेज की उम्मीद बेमानी है। सरकार को शिकागो, हार्वर्ड कोलंबिया, पेन्सिलवेनिया या इसी तरह के संस्थानों से पासआउट छात्रों के साथ जो हालात बन रहे हैं, उससे समय रहते सबक लेना होगा और अन्य संस्थानों में भी शिक्षण व शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी।

मेष राशि- आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। आज धन लाभ के नए सोर्स मिलेंगे। इस राशि के युवाओं की विज्ञान के क्षेत्र में की रुचि बढ़ेगी। आज विदेश जाने के लिए प्रयासरत लोगों को खुशखबरी मिल सकती हैं। आज छात्रों को अपनी पढ़ाई के प्रति लापरवाही करने से बचना चाहिए।

वृष राशिः आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। परिवार में सुख समृद्धि का वातावरण रहेगा। आज आपके पराक्रम और धैर्य में वृद्धि होगी। आज बिजनेसमैन को लाभ होने की संभावना है। इस राशि की महिलाएं अपने व्यवसाय और नौकरी में विशेष सफलता हासिल करेंगी। आज घर का माहौल खुशनुमा बनाने के लिए कुछ समय परिजनों के साथ बिताएंगे।

मिथुन राशिःआज आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। दैनिक जीवन की गतिविधियां अच्छी चलेंगी। आज आपका मन अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। आज रुका हुआ कार्य पूरा होने वाला है, हालांकि अधिक मेहनत भी करनी पड़ेगी। आपकी सकारात्मक और संतुलित सोच आपको तरीके से कार्य पूरा करने में मदद करेगी। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका उचित योगदान बना रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जाएंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आपका काम मन- मुताबिक होगा। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर बातचीत होगी, जिससे आपको फायदा हो सकता है। इस राशि के छात्रों को किसी विशेष सब्जेक्ट को लेकर बहुत अधिक एकाग्रता बनाए रखने की जरूरत है। आज अपनी सीक्रेट बातें किसी से भी शेयर ना करें। अगर बात करे सेहत की तो आपको सेहत को लेकर अलर्ट रहना होगा।

सिंह राशिःआज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। आज दांपत्य जीवन में चल रही अनबन दूर करने की कोशिश करेंगे। आज व्यावसायिक मामलों में बहुत अधिक व्यस्तता बनी रहेगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा जरूर होगा। रुके हुए ऑफिशियल कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक फोकस करना चाहिए, जितना जल्दी हो सके काम को पूरा करने पर ध्यान दें।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहद खास है। ऑफिस में आपको किसी कार्य में सीनियर्स की मदद मिलेगी, जिससे आपका कार्य समय पर पूरा हो जाएगा। आज आपको अजनबी लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। साझेदारी में बिजनेस करने वाले बिजनेसमैन को आज रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ मिलेगा। व्यापार को बढ़ाने के बारे में विचार विमर्श करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन शुभ है। व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आज सम्मानित व्यक्तियों के साथ समय व्यतीत करने का अवसर मिलेगा और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। आज घर की सुख-सुविधा से संबंधित मूल्यवान वस्तुओं की खरीददारी संभव है। धर्म-कर्म के कार्यों में आज आपका मन लगेगा। आज नया वाहन लेने का विचार परिवार जनों से करेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपके निर्णय लेने की क्षमता में बढ़ोतरी होगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों को अच्छे से निभाएंगे। विद्यार्थियों को इंटरव्यू अथवा करियर में उचित सफलता मिलने की उम्मीद है। प्रॉपर्टी से संबंधित कार्यवाही चल रही है, तो आज बात बन सकती हैं। जीवन के प्रति आपका सकारात्मक रवैया आपके आत्मविश्वास को और अधिक मजबूत करेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा। रोजमर्रा के कामों में व्यस्तता बनी रहेगी। कारोबार में रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। आज किसी भी प्रकार की नकारात्मक स्थिति बनने पर धैर्य से काम लें, सब ठीक हो जायेगा। घर की किसी समस्या को आज शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास करेंगे।

कुंभ राशिःआज आपका दिन नया बदलाव लाने वाला है। कोर्ट-कचहरी का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। पिछले कुछ समय से चल रही उलझन आज दूर होगी, जिससे खुद को रिलैक्स फील करेंगे। निवेश संबंधी कार्यों के लिए आज समय बहुत ही उत्तम है।

मीन राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। अपनी समस्याओं का समाधान निकालने में आज आप सफल होंगे। इस राशि के जॉब कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे हैं। अध्यात्म के प्रति रुचि रखना आपके स्वभाव को और अधिक विनम्र बनाएगा। आज घर में खुशी का माहौल बनेगा।

चुलबुली गौरैया के लिए घर में बनाएं घोंसला

विश्व गौरैया दिवस (20 मार्च) पर विशेष

प्रभुनाथ शुक्ल

हमारी सोच अब आहिस्ता-आहिस्ता बदलने लगी है। हम प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति थोड़ा मित्रवत भाव रखने लगे हैं। घर की छत या बालकनी में पक्षियों के लिए दाना-पानी डालने लगे हैं। गौरैया से हम फ्रेंडली हो चले हैं। किचन गार्डन और घर की बालकनी में कृत्रिम घोंसला लगाने लगे हैं। गौरैया हमारे आसपास आने लगी है। उसकी चीं-चीं की आवाज हमारे घर-आंगन में सुनाई पड़ने लगी है। गौरैया संरक्षण को लेकर ग्लोबल स्तर पर बदलाव आया है, यह सुखद है। फिर भी अभी यह नाकाफी है। हमें प्रकृति से संतुलन बनाना चाहिए। हम प्रकृति और पशु-पक्षियों के साथ मिलकर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण तैयार कर सकते हैं। जिन पशु -पक्षियों को हम अनुपयोगी समझते हैं वह हमारे लिए प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित करने में अच्छी-खासी भूमिका निभाते हैं लेकिन हमें इसका ज्ञान नहीं होता। गौरैया हमारी प्राकृतिक मित्र है और पर्यावरण में सहायक है। गौरैया प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और चावल या अनाज के दाने को चुगती है। कभी घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोंसले लटके होते थे लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई। हालांकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता के चलते हाल के सालों में यह दिखाई देने लगी है। गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खासी भूमिका है। दुनिया भर में 20 मार्च गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी गौरैया संरक्षण के लिए लोगों से पहल की अपील कर चुके हैं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य बृजलाल के प्रयासों को ट्वीटर पर खूब सराहा था और कहा कि गौरैया संरक्षण को लेकर आपका प्रयास बेहतरीन और काबिले तारीफ है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने अपने घर में गौरैया संरक्षण को लेकर काफी अच्छे उपाय किए हैं। उन्होंने गौरैया के लिए

दाना-पानी और घोंसले की व्यवस्था की है। जंगल में आजकल पंच सितारा संस्कृति विस्तार ले रही है। प्रकृति के सुंदर स्थान को भी इंसान कमाने का जरिया बना लिया है। जो पशु- पक्षियों के लिए खतरा बन गया है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर के प्रयासों से 20 मार्च का दिन गौरैया के नाम रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। गौरैया का संरक्षण हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इनसान की भोगवादी संस्कृति ने हमें प्रकृति और उसके साहचर्य से दूर कर दिया है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास रहना अधिक पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती। इसका जीवनकाल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है। भारत की आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आफ प्रोटेक्शन आफ बर्ड्स ने इस चुलबुले और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। गौरैया की घटती आबादी के पीछे मानव विकास सबसे अधिक जिम्मेदार है। गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक से अधिक दो मील की दूरी तय करती है। मानव जहां-जहां गया, गौरैया उसका हमसफर बनकर उसके साथ गयी। गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे। उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे, लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता। देश की खेती-किसानी में रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकल युक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े-मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिनमें गिद्ध, कौआ, महोख, कठफोड़वा और गौरैया शामिल हैं। इनके भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक देशों तक पहुंच गयी है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए डिवाइन, केर, और ताहूहू की न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 मार्च से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, अमेलिया केर और ली ताहूहू की न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम में वापसी हुई है। इस बीच, श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में 1-1 की बराबरी के बाद, सूजी बेट्स अंतरिम कप्तान बनी रहेंगी। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज़ अभी भी हिप फ्लेक्सर की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने जनवरी में मानसिक और शारीरिक भलाई को प्राथमिकता देने के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से ब्रेक लिया था। इस दौरान वह ड्रीम11 सुपर स्मैश, विमेंस प्रीमियर लीग और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में नहीं खेली थीं। अब वह राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं। अमेलिया केर, जो हाल ही में विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की विजेता टीम का हिस्सा थीं, भी टीम में शामिल हुई हैं। उन्होंने पिछली बार टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया था। वहीं, तेज गेंदबाज ली ताहूहू दिसंबर में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद टीम में वापस लौटी हैं। बेला जेम्स और पॉली इंग्लिस को टीम में शामिल किया गया है, जबकि एम्मा मैक्लॉड, इज़ी शार्प, फ्लोरा डेवोनशायर और ब्री इलिंग को टीम से बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने अनुभवी तिकड़ी की वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, "हम सोफी, मेलि और ली की वापसी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। ये तीनों खिलाड़ी अनुभव और नेतृत्व का शानदार संयोजन टीम में लाती हैं। सोफी ने खेल से कुछ समय के

लिए ब्रेक लिया था, लेकिन अब वह पूरी तरह तैयार हैं। वह किसी भी टीम के लिए एक बड़ी संपत्ति हैं और हमें खुशी है कि वह इस प्रतिस्पर्धी सीरीज के लिए वापस आ रही हैं।" यह महिला टी20 सीरीज न्यूजीलैंड पुरुष टीम की पाकिस्तान के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के साथ डबल-हेडर के रूप में खेली जाएगी। पुरुषों की सीरीज में मेजबान न्यूजीलैंड फिलहाल 2-0 से आगे है। तीन मुकाबले ऑकलैंड, टौरंगा और वेलिंगटन में खेले जाएंगे।

न्यूजीलैंड महिला टीमः

सूजी बेट्स (कप्तान), ईडन कार्सन, सोफी डिवाइन, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, फ्रान जोनास, जेस केर, अमेलिया केर, रोज़मेरी मेयर, जॉर्जिया प्लिमर, ली ताहूहू।

आईपीएल 2025: सीजन के पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे क्योंकि पूर्णकालिक कप्तान हार्दिक पांड्या एक मैच के प्रतिबंध के कारण पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। हार्दिक ने बुधवार को मीडिया से कहा, "जब मैं नहीं रहूंगा तो सूर्या आदर्श विकल्प होंगे।" हार्दिक को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 2024 सीजन के मुंबई के आखिरी मैच में धीमी ओवर गति के लिए एक मैच के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। चूंकि यह हार्दिक का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए उन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया था, जो इस सीजन के शुरुआती मैच में भी जारी रहेगा। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने भी पुष्टि की कि फ्रेंचाइजी को भारतीय क्रिकेट

कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अभियान के शुरुआती मैच के लिए हार्दिक की अनुपलब्धता के बारे में औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है। हार्दिक ने कहा, "पिछले साल, जो हुआ वह खेल का हिस्सा था। हमने आखिरी ओवर में डेढ़ या दो मिनट देरी से गेंदबाजी की। उस समय, मुझे नहीं पता था कि इसके क्या परिणाम हो सकते हैं।" उन्होंने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मुझे लगता है कि नियम ऐसा कहते हैं। इसका मतलब है कि मुझे प्रक्रिया के साथ चलना होगा। 2023 में सूर्यकुमार यादव, जो वर्तमान में भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान हैं, ने एक आईपीएल मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी।

स्विस ओपन 2025: त्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी दूसरे दौर में, पुरुष एकल में भारतीय चुनौती मजबूत

बासेल। भारतीय महिला युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने स्विट्जरलैंड के बासेल में जारी स्विस ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दुनिया की नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी ने स्विट्जरलैंड की एलाइन मुलर और नीदरलैंड की केली वान बुइटन को 21-16, 21-17 से केवल 32 मिनट में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अब वे जर्मनी की सेलिन हब्सच और एमेली लेहमैन के खिलाफ खेलेंगी। हालांकि, त्रीसा और गायत्री, जो इस टूर्नामेंट में चौथी वरीयता प्राप्त हैं, महिला युगल में बची एकमात्र भारतीय चुनौती हैं। अन्य भारतीय जोड़ियां प्रिया कोंजेंगबाम-श्रुति मिश्रा और वर्षिनी विश्वनाथ श्री-आरती सारा सुनील पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं। प्रिया-श्रुति की जोड़ी को तुर्किये की नाज़लिकन इंसी और बेंगिसु एरचेतिन ने 21-11, 21-19 से हराया। वहीं, वर्षिनी-आरती नीदरलैंड की

डेबोरा जिल और डेनमार्क की सारा थाइगेसन के खिलाफ 21-13, 21-13 से हार गईं।

पुरुष एकल में अयुष शेट्टी और संकर मुथुसामी मुख्य ड्रॉ में पहुंचे- भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अयुष शेट्टी और एस संकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। आयुष शेट्टी (दुनिया के 44वें नंबर के खिलाड़ी) ने पहले दौर में इंग्लैंड के चोलन कायन (रैंक 161) को 21-12, 21-15 से हराया। इसके बाद, उन्होंने फ्रांस के राफेल गावियोस (रैंक 400) को केवल 23 मिनट में 21-6, 21-8 से हराकर अंतिम 32 में जगह बनाई। अब वह जापान के केंटा निशिमोटो (2018 जकार्ता एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता) से भिड़ेंगे। संकर मुथुसामी ने भी क्वालिफायर में दो शानदार जीत दर्ज कीं। पहले दौर में उन्होंने इंग्लैंड के यूहेन वांग को 21-13, 21-4 से मात दी। फिर अपने ही हमवतन थरुण मानेपाल्ली को 21-7, 21-10 से हराकर मुख्य ड्रॉ में पहुंचे। अब संकर मुथुसामी (रैंक 64) पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन से भिड़ेंगे।

हार न मानने के जज्बे के कारण ही मैदान पर टिका हुआ हूं : पंड्या

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का मानना है कि पिछले कुछ महीने उनके लिए अच्छे नहीं रहे हैं और कठिन हालातों में हार न मानने के जज्बे के कारण ही वह मैदान में जमे हुए हैं। गौरतलब है कि पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाये जाने के बाद से ही हार्दिक को दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा था। उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। अभी वह आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। हार्दिक ने कहा कि मैं कभी हार नहीं मानता। मेरे करियर में कुछ ऐसे दौर भी आए जब मेरा ध्यान जीतने के बजाय खेल में बने रहने पर लगा था। तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे साथ जो कुछ भी हो रहा है उस समय भी क्रिकेट हमेशा मेरा सच्चा दोस्त बना रहेगा। मैंने अपना समर्थन किया और जब मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई तो यह उससे भी ज्यादा था जितना मैंने सोचा था। हार्दिक ने कहा कि इस छह महीने के समय में हमने विश्व कप जीता और स्वदेश लौटने पर जो प्यार और समर्थन मुझे मिला उसे में भूल नहीं सकता

था। मेरे लिए समय का पहिया पूरी तरह से 360 डिग्री घूम गया था। साथ ही कहा कि अगर वह पूरे लगन से अपना काम करते रहे तो आईपीएल में भी जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि ऐसा कब होगा, लेकिन जैसा कि कहा जाता है, नियति की अपनी योजना थी और मेरे मामले में, ढाई महीने के अंदर सब कुछ बदल गया। पंड्या ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में भी गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाई थी।

गावस्कर की नकल करते दिखे ऋषभ

मुम्बई। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की कप्तानी करने जा रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने मजाकिया अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। वह कई बार विकेटकीपिंग करते हुए भी बल्लेबाज के साथ हंसी मजाक करते देखे गये हैं। अब उन्होंने महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर की निकल की है। उन्होंने गावस्कर का वही डायलॉग दोहराया जब उन्होंने उसे बेवकूफतक बोल दिया था। 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान, चौथे टेस्ट में जब ऋषभ ने थर्ड मैन पर शॉट खेला तो कमेंट्री बॉक्स में बैठे गावस्कर ने उनकी आलोचना की करते हुए तीन बार बेवकूफ, बेवकूफ, बेवकूफ कहा था। अब इसी अंदाज में ऋषभ ने गावस्कर की नकल उतारी है। उस मशहूर कमेंट्री के दौरान गावस्कर ने कहा- बेवकूफी, बेवकूफी, बेवकूफी! आपके पास दो फील्डर हैं, और फिर भी आप ऐसा करने

जाते हैं। आप पिछला शॉट चूक गए, और देखिए आप कहां पकड़े गए। यह आपका विकेट गंवाना है। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। मुझे खेद है। यह आपका स्वाभाविक खेल नहीं है। यह एक बेवकूफी भरा शॉट है। यह आपकी टीम को बुरी तरह से निराश करता है। आपको स्थिति को भी समझना होगा। उसे भारत के ड्रेसिंग रूम में नहीं जाना चाहिए, उसे दूसरे ड्रेसिंग रूम में जाना चाहिए। ऋषभ आईपीएल में अपनी नई टीम के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकते हैं। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स में रहते हुए कप्तानी का लंबा अनुभव है जिससे उनके लिए फैसले लेना आसान रहेगा।

व्यापार

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजड़ियों का जोर, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

- निवेशकों ने 1 दिन में की 5.10 लाख करोड़ की कमाई

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजड़ियों का बोलबाला रहा। बाजार खुलने के बाद पहले घंटे के कारोबार में कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव जरूर बना लेकिन उसके बाद पूरे दिन लिवाली का जोर बना रहा। बाजार में आई तेजी की वजह से निफ्टी आज 22,900 अंक के स्तर को पार करने में भी सफल रहा। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.20 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान रियल्टी, डिफेंस और पीएसयू सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह मेटल, इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और हेल्थ केयर इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, टेक और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.17 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 404.95 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 399.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों

को आज के कारोबार से करीब 5.10 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,166 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 3,012 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,038 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं, 116 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,640 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,196 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 444 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 171.91 अंक उछल कर 75,473.17 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में यह सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर 99.78 अंक की कमजोरी के साथ 75,201.48 अंक के स्तर तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे पहले घंटे के कारोबार में ही इस सूचकांक ने वापस हरे निशान में अपनी जगह बना ली। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 267.12 अंक उछल कर 75,568.38 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि आखिरी आधे घंटे के कारोबार में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से यह सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 120 अंक टूट कर 147.79 अंक की तेजी के साथ 75,449.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 40.65 अंक की मजबूती के साथ 22,874.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक 26.35 अंक की कमजोरी के साथ 22,807.95 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 106.40 अंक की उछाल के साथ 22,940.70 अंक तक पहुंचने में सफल रहा।

सर्राफा बाजार में ऑल टाइम हाई पर सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज की तेजी के कारण सोना 90 हजार रुपये के स्तर को पार करके अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इस तेजी के कारण सोना आज 810 रुपये से लेकर 890 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 90,440 रुपये से लेकर 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,900 रुपये से लेकर 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी आज 1,05,000 रुपये प्रति

किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 90,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 90,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सरकार ने कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की

- इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हाल में आयात में वृद्धि से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति से बचाने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जारी एक अधिसूचना में घरेलू इस्पात उत्पादकों को आयात में वृद्धि से बचाने के उद्देश्य से कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 फीसदी का अस्थायी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। अधिसूचना के मुताबिक इस शुल्क पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। यह सुरक्षा शुल्क एक अस्थायी टैरिफ अवरोध है, जो घरेलू इस्पात उद्योगों

को आयात में वृद्धि से बचाने के लिए लगाया जाता है। डीजीटीआर ने 18 मार्च को जारी एक अधिसूचना में कहा है कि ऐसी गंभीर परिस्थितियां मौजूद हैं, जहां अनंतिम सुरक्षा उपायों के लिए आवेदन में किसी भी प्रकार की देरी से ऐसी क्षति होगी, जिसकी मरम्मत करना कठिन होगा। अनंतिम सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। अधिसूचना के अनुसार प्राधिकरण विचाराधीन उत्पाद के आयात पर अंतिम निर्धारण होने तक सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश करता है।" यह 200 दिनों के लिए 12 फीसदी की दर से अनंतिम है। उल्लेखनीय है कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने पिछले साल दिसंबर में फैब्रिकेशन, पाइप विनिर्माण, विनिर्माण, पूंजीगत सामान, ऑटो, ट्रैक्टर, साइकिल और इलेक्ट्रिकल पैनल सहित विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले गैर-मिश्र धातु एवं मिश्र धातु इस्पात 'फ्लैट' उत्पादों के आयात में अचानक वृद्धि की जांच शुरू की थी। इस जांच में निदेशालय ने प्रारंभिक रूप से पाया है कि भारत में इन उत्पादों के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू उद्योग/उत्पादकों को गंभीर क्षति पहुंचने का खतरा है।

स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में कदम रखने को तैयार एलआईसी, 31 मार्च से पहले हो सकता हैं ऐलान

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) संभवतः चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक एक स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा कर सकती है। यह जानकारी एलआईसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सिद्धार्थ मोहंती ने दी। हालांकि, मोहंती ने उस कंपनी का नाम नहीं बताया जिसमें एलआईसी में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही है। मोहंती ने कहा, "हमारे पास इस काम को लेकर योजनाएं हैं। अभी इसकी चर्चा अंतिम चरण में हैं। स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में कदम रखना एलआईसी के लिए एक स्वाभाविक विकल्प है। चूंकि रेगुलेटरी परमिशन में समय लगता है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि इस वित्तीय वर्ष के भीतर, यानी 31 मार्च से पहले, कोई फैसला हो

जाएगा।" वित्तीय वर्ष 25 की पहली तिमाही में, एलआईसी ने कहा था कि वह स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में कदम रखने के लिए एक स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही है। अभी यहां स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनियां हैं जिसमें स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस, निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस, केयर हेल्थ इंश्योरेंस, आदित्य बिरला हेल्थ इंश्योरेंस, मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस, नारायणा हेल्थ इंश्योरेंस और गैलेक्सी हेल्थ इंश्योरेंस शामिल हैं।इसके अलावा, मोहंती ने कहा कि एलआईसी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अतिरिक्त लॉन्ग टर्म के बॉन्ड जारी करने का अनुरोध किया है। एलसआईसी ने पहले 40 साल के बॉन्ड की मांग की थी, इस आरबीआई ने मंजूरी दे दी थी। अब एलआईसी 50 साल और 100 साल के बॉन्ड के लिए आरबीआई के साथ चर्चा कर रही है। मोहंती ने कहा कि हम लॉन्ग टर्म के निवेशक हैं।

एसयूवी एक्सयूवी700 का नया एबोनी लिमिटेड एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली। अपनी पॉपुलर एसयूवी एक्सयूवी700 का महिंद्रा एंड महिंद्रा ने नया एबोनी लिमिटेड एडिशन लॉन्च कर दिया है। नई एसयूवी की शुरुआती कीमत 19.64 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। एक्सयूवी700 एबोनी लिमिटेड एडिशन को ऑल-ब्लैक थीम में डिजाइन किया गया है। इसमें ब्लैक-ऑन-ब्लैक ग्रिल, ब्लैक्ड-आउट ओआरवीएमएस, ब्रश्ड सिल्वर स्किड प्लेट्स और 18-इंच ब्लैक अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। इंटीरियर में ब्लैक लेदरेट अपहोल्स्ट्री, ब्लैक्ड-आउट ट्रिम्स, डार्क क्रोम एयर वेंट्स और सिल्वर एक्सेंट्स एसयूवी के प्रीमियम लुक को और बढ़ाते हैं। महिंद्रा एक्सयूवी700 भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली तीन-रो एसयूवीएस में से एक है।

2021 में लॉन्च के बाद से अब तक इसकी 2,50,000 से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। सेफ्टी और परफॉर्मेंस के कारण यह भारतीय बाजार में काफी पसंद की जा रही है। यह टॉप-स्पेक एएक्स7 और एएक्स7 एल वेरिएंट्स में पेट्रोल और डीजल दोनों पावरट्रेन में उपलब्ध होगी। एसयूवी में 2.0-लीटर टीजीडीआईएम स्टालियन पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 200 पीएस की पावर और 380एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन में पेश किया गया है।

29वें दिन पठान के रिकॉर्ड को तोड़ने में सफल हुई छावा, 550 करोड़ से इतने कदम दूर

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म छावा बॉक्स ऑफिस पर अपना एक महीना पूरा करने जा रही है। फिल्म छावा ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी रिलीज के 29 दिन पूरे कर लिए हैं। इन 29 दिनों में छावा ने कमाई का अंबार लगा दिया था। छावा ने अपनी 27वें दिन की कमाई से साल 2023 की हिंदुस्तान की असली ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर 2 की कमाई के रिकॉर्ड को धूल चटाई थी और अब छावा ने शाहरुख खान की फिल्म पठान की कमाई का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। आइए जानते हैं छावा ने 29वें दिन कितने करोड़ रुपये की कमाई की और क्या-क्या रिकॉर्ड तोड़े। छावा की 29वें दिन की कमाई बता दें, होली वाले दिन यानि 14 मार्च को फिल्म छावा अपनी रिलीज के 29वें दिन में चली और फिल्म को होली की छुट्टी का बड़ा फायदा मिला। छावा की कमाई में 29वें दिन 61.11 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई। जहां फिल्म ने 28वें दिन 4.5 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं, सैकनिल्क के ही अनुसार फिल्म ने 29वें दिन 7.25 करोड़ रुपये (अनुमानित) कमाई की है।

छावा ने 29वें दिन हिंदी में 6.5 करोड़ रुपये और तेलुगू में 0.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसी के साथ फिल्म की घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल कमाई 546.75 करोड़ रुपये हो गई। छावा ने अपनी 29वें दिन की कमाई से शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बता दें, साल 2023 में रिलीज हुई शाहरुख खान की एक्शन ड्रामा फिल्म पठान ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 543.09 करोड़ रुपये की कमाई की थी। सैकनिल्क की मानें तो, छावा, पठान का रिकॉर्ड तोड़ भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 9वीं हिंदी फिल्म बन गई हैं। अब छावा के सामने एनिमल (553.087 करोड़ रुपये), स्त्री 2 (597.99 करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड हैं। भारत में नेट कमाई करने वाली टॉप फिल्मों में पुष्पा 2 (1471.1 करोड़ रुपये), बाहुबली 2 (1030.42 करोड़ रुपये), केजीएफ 2 (859.7 करोड़ रुपये), आरआरआर (782.2 करोड़ रुपये), कल्कि 2898 एडी (646.31 करोड़ रुपये) और जवान (640.25 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

पर्दे पर सुपर आइकॉनिक श्रीदेवी का किरदार निभाना चाहती हैं तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया स्क्रीन पर दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भूमिका निभाना चाहती हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उनकी यह तमन्ना है कि वह सुपर आइकॉनिक अभिनेत्री की भूमिका को पर्दे पर उतारें। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर में लेबल ब्लोनी के लिए शोस्टॉपर बनीं तमन्ना से जब पूछा गया कि वह स्क्रीन पर किस अभिनेत्री के किरदार को निभाना चाहेंगी, तो उन्होंने आइकॉनिक एक्ट्रेस श्रीदेवी का नाम लिया। तमन्ना ने कहा, मैं श्रीदेवी का किरदार निभाना चाहूंगी। वह सुपर आइकॉनिक थीं और वह ऐसी शख्सियत हैं जिनकी मैं प्रशंसक रही हूं। भारतीय सिनेमा की 'पहली महिला सुपरस्टार के रूप में लोकप्रिय श्रीदेवी ने कॉमेडी से लेकर फैमिली ड्रामा तक, विभिन्न विधाओं के साथ सिनेमा के हर हिस्से को छुआ। वह भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, मगर वह शानदार फिल्मों के जरिए हमेशा जिंदा रहेंगी। श्रीदेवी हिंदी के साथ तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में 'मिस्टर इंडिया', 'खुदा गवाह, 'लाडला, 'जुदाई, 'इंग्लिश विंग्लिश, 'मॉम जैसी शानदार फिल्मों में काम किया। श्रीदेवी की आखिरी फिल्म 'मॉम थी, जो 2017 में रिलीज हुई थी। श्रीदेवी की पहली हिंदी फिल्म सोलहवां सावन (1979) थी। इससे पहले वह फिल्म जूली में मेन लीड की बहन के रूप में दिखी थीं। तमन्ना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार नीरज पांडे के निर्देशन में बनी फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ जिमी शेरगिल, अविनाश तिवारी, राजीव मेहता और दिव्या दत्ता अहम भूमिकाओं में हैं। तमन्ना जल्द ही अशोक तेजा के निर्देशन में तैयार फिल्म ओडेला 2 में नजर आएंगी। संपत नंदी ने फिल्म की कहानी लिखी है। फिल्म में तमन्ना, हेबाह पटेल और वशिष्ठ एन. सिम्हा के साथ नागा महेश, वामसी, गगन विहारी, सुरेंद्र रेड्डी और पूजा रेड्डी भी अहम भूमिकाओं में हैं। ओडेला तेलंगाना के ओडेला गांव में हुई वास्तविक घटनाओं पर आधारित है।

जान्हवी कपूर-वरुण धवन स्टारर सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की रिलीज डेट आउट

अभिनेता वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर अपकमिंग फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। फिल्म निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि फिल्म सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 12 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, अक्षय ओबेरॉय, मनीष पॉल और मानिनी चड्ढा ने काम किया है। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है, जो 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया और 'धड़क के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म पहले 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली

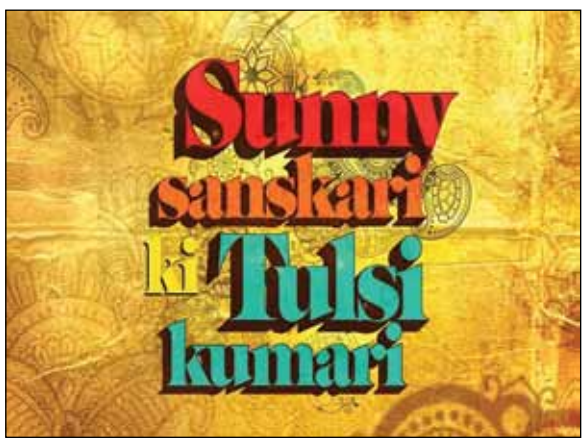

थी। हालांकि, निर्माण में देरी के कारण अब यह सितंबर में रिलीज होगी।<'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी वरुण धवन और जान्हवी कपूर की दूसरी फिल्म है, इससे पहले वे नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म 'बवाल में साथ काम कर चुके हैं। इस रोमांटिक-कॉमेडी का निर्माण करण जौहर, हीरू यश जौहर, अपूर्व मेहता और शशांक खेतान ने किया है। वरुण ने हाल ही में मनीष पॉल के साथ वैनिटी वैन में बिताए कुछ मजेदार पलों की झलक प्रशंसकों को दिखाई थी। फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने सेट के माहौल पर बात करते हुए उसे फन जॉइंट फैमिली एक्सपीरियंस बताया था। सेट के अपने अनुभव के बारे में अक्षय ने बताया कि यहां का माहौल बेहद खास और उम्दा है। फिल्म की शूटिंग राजस्थान के जयपुर और जोधपुर जैसे खूबसूरत लोकेशन्स पर हो

रही है। अक्षय ने कहा, यह सेट नहीं बल्कि एक बड़े, मजेदार संयुक्त परिवार का हिस्सा होने जैसा है और इसका सारा श्रेय शशांक को जाता है। हम साथ में खाना खाते हैं, साथ में मजेदार बातें करते हैं और साथ में वर्कआउट भी करते हैं। यहां की एनर्जी इतनी सकारात्मक और सहयोगात्मक है, जो सेट पर गुजारे लंबे समय को मजेदार बनाती है। उन्होंने कहा, चाहे शॉट्स के बीच में खाना पीना हो या वरुण और अन्य लोगों के साथ फिटनेस टिप्स शेयर करना हो, यह एक बेहतरीन जुगलबंदी है जो पूरे अनुभव को खास बना देती है।

सिकंदर की शूटिंग खत्म होते ही सलमान ने सबसे पहले किया ये काम

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और सलमान खान स्टारर 'सिकंदर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में क्लीन शेव लुक पसंद करने वाले अभिनेता सलमान ने शूटिंग खत्म होने के तुरंत बाद अपनी दाढ़ी कटवाई, जिसे उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के लिए बढ़ाया था। प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया, यह सलमान और रश्मिका के बीच बांद्रा में एक पैच-वर्क सीक्वेंस था और टीम ने रात 8 बजकर 30 मिनट पर शूटिंग पूरी की। शूटिंग के ठीक बाद, सलमान ने अपनी दाढ़ी साफ की, जिसे उन्होंने सिकंदर में अपने लुक के लिए बनाए रखा था। असल जिंदगी में अभिनेता क्लीन शेव पसंद करते हैं। 'सिकंदर की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अभिनेता ने हाल ही में मुंबई में सह-कलाकार रश्मिका मंदाना, निर्देशक एआर मुरुगादॉस और निर्माता साजिद नाडियाडवाला के

साथ पैक-अप किया। एक सूत्र ने बताया, उस दिन शूटिंग खत्म होते ही सलमान ने सबसे पहले अपनी दाढ़ी कटवाई थी। उनका नया लुक सोशल मीडिया पर छा चुका है, सुपरस्टार की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। हालांकि, सिकंदर की मुख्य शूटिंग जनवरी में समाप्त हो गई थी, लेकिन सलमान, रश्मिका और टीम फरवरी और मार्च में कुछ पैच-अप सीन और एक प्रमोशनल गाना फिल्माने में जुटी हुई थी। सूत्र ने कहा, एडिट लॉक हो गया है और कलर ग्रेडिंग, वीएफएक्स और बैकग्राउंड पर काम चल रहा है। सिकंदर सिनेमाघरों में जल्द रिलीज के लिए तैयार है। अपकमिंग एक्शन फिल्म की शूटिंग मुंबई, हैदराबाद के साथ देश के अन्य हिस्सों में 90 दिनों तक चली। सलमान और रश्मिका की जोड़ी पहली बार साथ में ऑन स्क्रीन नजर आएगी। एआर मुरुगादॉस के निर्देशन में बनी एक्शन-ड्रामा में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के साथ काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'सिकंदर के साथ सलमान खान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला की जोड़ी फिर से साथ आई है। इससे पहले दोनों ने साथ में साल 2014 की हिट फिल्म 'किक में काम किया था। 'सिकंदर ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

Chahal complied with divorce consent terms: High Court on Rs 4.75 crore alimony

Agency: The Bombay High Court directed the Bandra Magistrate Court to decide the divorce case of Yuzvendra Chahal and his estranged wife Dhanashree Verma by Thursday, March 20. A bench of Justice Madhav Jamdar orderd the family court to speed up the process, considering the Indian cricketer's commitments with the Indian Premier League. Yuzvendra Chahal will play for Punjab Kings in IPL 2025, starting March 22. The Punjab Kings will play their opening game in Hyderabad against Gujarat Titans on Tuesday, March 25. Chahal has been training with the Kings in Chandigarh, having joined their pre-season camp as early as the second week of March. The Indian cricketer was seen cheering for the senior national men's team during the Champions Trophy final. He was seen sitting alongside RJ Mahvash at the stands in the Dubai International Cricket Stadium on March 9. Chahal and Dhanashree had filed a divorce petition before the family court on February 5, seeking divorce by mutual consent. However, the family court had refused to waive the six-month cooling-off period on February 20. Chahal and Dhanashree have been living apart since June 2022, 18 months after their marriage. The court cited partial compliance with the consent terms, which required Chahal to pay Rs 4.75 crore to Dhanashree. He had paid Rs 2.37 crore, the court noted. Additionally, the family court referenced a report from the marriage counsellor, which indicated that mediation efforts had only been partially complied with. Chahal and Dhanashree subsequently filed a joint plea in the High Court, challenging the family court's decision in Mumbai. Under Section 13B of the Hindu Marriage Act, a six-month cooling-off period is mandatory before granting a divorce decree. This period is intended to allow the parties time to explore the possibility of reconciliation.

However, it can be waived in cases where there is no likelihood of settlement. Justice Jamdar waived the cooling-off period, considering that Chahal and Verma had been living separately for over two and a half years and that the consent terms agreed upon during mediationparticularly concerning the payment of alimonyhad been complied with. During the hearing, Justice Jamdar observed that "this was a rare case where there were no respondents," as both Chahal and Verma had jointly filed the petition. The High Court further noted that the consent terms had been adhered to, as they stipulated that the second instalment of permanent alimony would only be paid after the divorce decree was granted. Speculation about strain in their relationship has been rife ever since the couple stopped sharing social media posts together. Earlier this year, Dhanashree Verma's family rubbished rumours that claimed the dancer had demanded Rs 60 crore as alimony. "We are deeply outraged by the baseless claims being circulated about the alimony figure. Let me be absolutely clearno such amount has ever been asked, demanded, or even offered. There is no truth to these rumours whatsoever," a family member of Dhanashree said.

India calls for sustained humanitarian aid, hostages' release after Gaza bombing

Agency: India on Wednesday expressed concern over the situation in war-torn Gaza, where massive Israeli strikes killed over 400 people and shattered a nearly two-month truce, and said it was important that all hostages are released. In a statement by the Ministry of External Affairs (MEA), India called for the supply of humanitarian assistance to the people of Gaza to be sustained. "We are concerned at the situation in Gaza. It is important that all hostages are released. We also call for the supply of humanitarian assistance to the people of Gaza to be sustained," the MEA said in a statement. On Tuesday, Israeli airstrikes pounded Gaza and killed more than 400 people, Palestinian health authorities said, in what was the deadliest assault in the 17-month war with Hamas since a ceasefire began in January. Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said he ordered the strikes because Hamas had rejected proposals to secure a ceasefire extension. Hamas, which still holds 59 of the 250 or so hostages Israel says the group seized in its October 7, 2023 attack, accused Israel of jeopardising efforts by mediators to negotiate a permanent deal to end the fighting, but the group made no threat of retaliation.

The strikes hit houses and tent encampments from the north to the south of the Gaza Strip. Witnesses said an Israeli plane fired missiles into Gaza City late on Tuesday. Following the strikes, Israel halted aid deliveries into Gaza for more than two weeks, exacerbating a humanitarian crisis. Egypt and Qatar, mediators in the ceasefire deal along with the US, condemned the Israeli assault, while the European Union said that it deplored the breakdown of the ceasefire. Negotiating teams from Israel and Hamas had been in Doha as mediators sought to bridge the gap between the two sides after the end of an initial phase in the ceasefire, which saw 33 Israeli hostages and five Thais released in exchange for some 2,000 Palestinian prisoners. Israel had been pressing for the return of the remaining hostages in exchange for a truce until after the Muslim fasting month of Ramzan and the Jewish Passover holiday in April. The war erupted in Gaza after Hamas-led terrorists attacked Israel, killing some 1,200 people, according to Israeli tallies. The Jewish nation then triggered the war by launching a brutal campaign on the Palestinian group, killing more than 48,000 people, according to Palestinian health authorities.

Nagpur riots mastermind Fahim Khan arrested, caught on camera spreading rumours

Agency: Nagpur Police on Wednesday arrested Fahim Shamim Khan, a local leader of the Minorities Democratic Party (MDP), identified as the alleged mastermind behind the communal violence that erupted in the city on March 17, leaving several people injured. Khan's arrest came just hours after his name was officially included in an FIR registered at Ganeshpeth Police Station. Earlier in the day, police released his photograph and a video surfaced showing Khan allegedly delivering an inflammatory speech moments before the violence broke out. The 38-year-old leader, who is the city president of the MDP and a resident of Sanjay Bagh Colony in Yashodhara Nagar, has been remanded to police custody until March 21. According to senior police officials, preliminary investigations and the video evidence suggest Khan's provocative speech directly contributed to the escalation of tensions,

triggering clashes between communities in the area. Fahim Khan contested the 2024 Lok Sabha election from the Nagpur constituency, representing the Minorities Democratic Party. Notably, he ran against senior BJP leader and Union Minister Nitin Gadkari, but lost by a huge margin of over 6.5 lakhs votes. Violence flared in Nagpur's Chitnis Park area on Monday as clashes broke out over rumours of a community's holy book being desecrated during a right-wing protest demanding the removal of Mughal emperor Aurangzeb's tomb in Chhatrapati Sambhajinagar. The unrest quickly escalated, with mobs pelting stones at police, leaving 34 personnel injured. A complaint was lodged against the protesters after the agitation, accusing them of hurting the religious sentiments of a community. Based on the complaint, an FIR was registered. Notably, no arrests have been made so far. Meanwhile, a senior official said that the law and order situation in Nagpur is under control, but a curfew continues in many sensitive areas of the city. Another official told news agency PTI that more than 2,000 armed police personnel have been deployed in the sensitive areas.

Talks with Centre inconclusive, farmers' protest to continue over MSP demand

Agency: The third round of talks between Punjab farmers and the central delegation in Chandigarh remained inconclusive on Wednesday, with farmer leaders reiterating their demand for a legal guarantee on MSP for all crops. Farmer leaders Sarwan Singh Pandher, PR Pandyan, PT John, Satnam Singh Behru, and Abhimanyu Kohar emphasised that farmers across the country want the MSP guarantee passed by the Parliament, and they won't stop their struggle until it's achieved. Kohar stated that central ministers have studied the report submitted by farmers regarding the implementation of the law and will have inter-ministerial consultations on the suggestions. The farmers also raised concerns about the US pressuring the Indian government to remove duties on agricultural issues, urging the government not to succumb to the pressure. Chouhan assured them that the government will prioritise farmers' interests. Pandher noted that discussions focused solely on providing a legal guarantee for MSP on all crops. The government expressed concerns about implementing this guarantee, seeking further deliberations. Meanwhile, Kaka Singh Kotra reported an increase in police force presence since the previous evening, prompting farmers to reach the borders at Khanauri and Shambhu. The government was forced to withdraw the additional police force. The protests are set to continue, with Pandher urging farmers to join

the protest sites in large numbers. Farmer leader Jagjit Singh Dallewal, who has been on a fast-unto-death since November 26 at the Khanauri border to press the Centre, arrived in ambulance for the meeting. He will first go to the Shambhu border and then Khanauri to protest. Farmer leader Manjit Rai alleged that tractors were called to the borders by the state government to remove the protestors. Punjab ministers Gurmeet Singh Khudian and Lal Chand Kataruchak deflected on the issue and said the force would be scaled down.

Internet suspended, heavy police force on standby near Shambhu border

Agency:The Internet service has been suspended in many areas around the Shambhu border and heavy police force has been deployed seen in nearby villages. A senior police official confirmed that they had been briefed to stay put at Shambhu. He said ambulances and even riot-control vehicles had also been stationed in the area. A police officer said further directions were awaited. "We were asked to report at specific points and we are waiting for further directions. Even we are not clear if we have been positioned to disperse protesters," said the SP-level officer. Tractors with towing hooks have been stationed near the police post at Shambhu.

Meanwhile, farmers, who were not part of the delegation that visited Chandigarh for a dialogue with the Centre, are gathering in the area. Additional forces have also been asked to remain vigilant near Banur, 15 km from Shambhu. Vehicles are being stopped by the police near Banaur and commuters are being asked where they are heading. On the other hand, the situation is calm at Khanauri border. Routine announcements are being made at Khanauri.

Print, Cinema, Television and digital media technology are important for research - Prof. Govind ji

MOTIHARI: A ten-day research technology workshop was inaugurated by the Department of Media Studies of Mahatma Gandhi Central University in collaboration with the Indian Council of Social Research. Researchers from different universities and subjects of the country participated in the workshop. The chief patron of the workshop was Vice Chancellor of the University Prof. Sanjay Srivastava. The chief speaker of the welcome ceremony was Prof. Govind ji Pandey, Chairman, Department of Mass Communication, Baba Saheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow and the special speaker was Director of Buddha Campus Prof. Ranjit Kumar Chaudhary. The welcome was done by workshop director and head of the department Dr. Anjani Kumar Jha and the workshop was conducted by Assistant Director Dr. Sunil Deepak Ghodke. Chairman of the Department of Media Studies Dr. Anjani Kumar Jha welcomed the guests and informed all the participants about the program of the sessions. While introducing the topic, he discussed the importance of research and its various dimensions. As the keynote speaker of the session, Prof. Govindji Pandey, Head of the Department of Mass Communication, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow, in his keynote address, gave a detailed lecture on the types and applications of qualitative and quantitative research. He discussed in detail the types of research, its importance, area, tools, techniques, etc. He also gave a detailed description of the technological changes taking place in the field of print, cinema, television and digital media and the method of selection and use of research techniques accordingly. Delivering a speech in the second session of the workshop after tea, Prof. Govindji Pandey interacted with the workshop participants on various aspects of the Indian

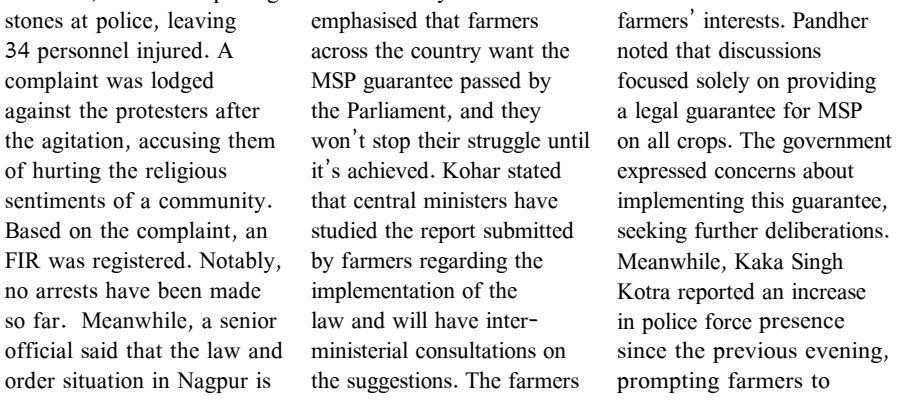

ICSSR sponsored ten-day workshop inaugurated by Department of Media Studies

knowledge tradition and research, development and its challenges in the field of artificial intelligence. As the keynote speaker of the second session of the workshop, Prof. Ranjit Kumar Chaudhary, Dean of the School of Computational Science, Information and Communication Technology of the University, gave his lecture on the topic 'Research Design and Methodological Framework'. He made the researchers aware of the technical aspects of research structure, technique, research ethics and plagiarism. He also spoke in detail on the role and importance of libraries and journals in the field of research. After his speech, in the closing session of the workshop, Assistant Professor of Media Studies Department, Dr. Sunil Deepak Ghodke thanked all the invited speakers and researchers and wished them all the best for the upcoming sessions of the workshop. Assistant Professor of the department, Dr. Paramatma Kumar Mishra, Dr. Saket Raman, and Dr. Uma Yadav, Dr. Mayank Bhardwaj and Dr. Ayush Anand along with researchers and students of the Media Department were present in the workshop.

BJP taunts Congress after Shashi Tharoor's U-turn on India's Russia-Ukraine stance

Agency: Shashi Tharoor's recent praise for the Modi government for its stance on the Russia-Ukraine war gave new ammunition to the Bharatiya Janata Party on Wednesday which taunted Congress on Wednesday saying the Prime Minister "needs new haters" as "old ones are turning into his fans". BJP's Sambit Patra also took a jibe at Congress and said that Mallikarjun Kharge and Rahul Gandhi should come forward and appreciate Tharoor's stand on India's position on the Ukraine-Russia conflict.

"Shashi Tharoor understands diplomacy, he had been in the UN for a very long time. He has appreciated PM Modi's stand in the Russia-Ukraine conflict. Other leaders of Congress should also learn from Shashi Tharoor instead of Speaking against PM Modi and the nation every time... Mallikarjun Kharge and Rahul Gandhi should come forward and appreciate Shashi Tharoor's stand," Patra said. During a panel discussion on Tuesday at the Raisina Dialogue, Shashi Tharoor acknowledged having to "wipe egg off his face" after initially criticising India's diplomatic stance on the Russia-Ukraine war. He conceded that the country's approach ultimately positioned it uniquely as a friend to both warring nations. "I am still wiping the egg off my face because I was one person in the parliamentary debate who actually criticised the Indian position at the time back in February 2022," Tharoor admitted. Explaining his earlier stance, he said, "On the well-worn grounds that Espen [Norway's Foreign Minister] will understand, since he and I discussed this during my UN days—there was a violation of the UN Charter, the sovereignty of a member state, namely Ukraine, and we had always stood for the principle of the inviolability of borders and the inadmissibility of the use of force to settle international disputes. All of those principles had been violated by one party, and we should have condemned it." Reflecting on the outcome, he added, "Well, three years later, it does look like I am the one with egg on my face because, clearly, India's policy has ensured that our Prime Minister can hug both the President of Ukraine and the President of Moscow just two weeks apart and still be accepted in both places. As a result, India is now in a position to contribute to a lasting peace in ways that very few countries can." BJP leader Ravi Shankar Prasad also welcomed Tharoor's remark adding that the decisions made by the Modi government are in the favour of the nation.

"He thinks that the statements he made regarding the Russia-Ukraine war in the past were not right. The policies of the Indian government were right... Better late than never... The decisions made by the Modi government are in the favour of the nation... The way Shashi Tharoor has admitted, other leaders of Congress should do the same," Prasad told ANI.